उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी...

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in (वर्ष-7 अंक -56) पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 06 मार्च , 2023

तीन युवकों ने फरसे से हमलाकर युवती को मौत के घाट उतारा

बॉलीवुड को मुनाफा नहीं देता किसान का दर्द

श्रीकृष्ण की लीलाओं को याद करने का उत्सव

कैम्ब्रिज में दिए राहुल के भाषण को समझ ही नहीं सकी भाजपा : कांग्रेस

नई दिल्ली ।विश्वविद्यालय में गांधी की टिप्पणी का एक वीडियो टैग करते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, ''राहुल गांधी ने अपने कैंब्रिज व्याख्यान में चीन की सरकार नियंत्रित कॉर्पोरेशन प्रणाली और उत्पादन प्रणालियों को दुरुस्त करने के लिए भारत जैसे लोकतांत्रिक देशों की तात्कालिक आवश्यकता के बीच के अहम अंतर को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया। लेकिन इसकी गूढ़ बातों को भाजपा नहीं समझ सकी।'' चीन से संबंधों के बारे में मोदी का एक वीडियो टैग करते हुए रमेश ने कहा, ''जबकि प्रधानमंत्री मोदी चीनियों के साथ अपनी घनिष्ठ दोस्ती का बखान करते नहीं अघाते।'' गांधी ने कैंब्रिज विश्वविद्यालय में अपनी टिप्पणी में कहा था कि भारतीय लोकतंत्र पर हमले हो रहे हैं और उनके समेत कईराजनेताओं की निगरानी की जा रही है ।उनकी इस टिप्पणी से कांग्रेस और भाजपा में तनातनी हो गई। भाजपा ने राहुल पर भारत को बदनाम करने का अरोप लगाते हुए पूछा था कि क्या गांधी देश को नीचा दिखाने के लिए एक एजेंसी के वेतनभोगी एजेंट की तरह काम कर रहे थे। कांग्रेस ने पलटवार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विदेशों में आंतरिक राजनीति के मुद्दों को उठाने के कई उदाहरणों का हवाला दिया और कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी के बयान या तो अज्ञानता की उपज हैं या फिर यह 'पूरी तरह सुनियोजित राजनीति' है, लेकिन दोनों का ही लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं है। अमेरिका और भारत जैसे लोकतांत्रिक देशों में हाल के सालों में विनिर्माण में आई गिरावट पर उत्पादन के चीन में स्थानांतरित होने का का जिक्र करते हुए गांधी ने कहा था कि इस स्थानांतरण ने भारी असमानता और आक्रोश पैदा किया है जिस पर तुरंत ध्यान देने और वार्ता करने की जरूरत है।

सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद विपक्ष ने उठाए एजेंसियों पर सवाल, पीएम को भी लिखा पत्र

आबकारी नीति मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी पर रविवार को आठ राजनीतिक दलों के नौ नेताओं ने विपक्ष की आवाज को बुलंद करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है।केंद्रीय एजेंसियों का सुझाव है कि देश लोकतंत्र से निरंकुशता में परिवर्तित हो गया है ।नेताओं ने आरोप लगाया कि विपक्ष के नेताओं के खिलाफ मामले उस समय दर्ज किए गए या उन्हें उस समय गिरफ्तार किया गया जब चुनाव नजदीक थे। इससे ये स्पष्ट होता है कि सभी कार्रवाई राजनीति से प्रेरित थी।

इन नेताओं ने किए हस्ताक्षर

पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले विपक्षी नेताओं में बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव, जेकेएनसी प्रमुख फारूक अब्दुल्ला, एआईटीसी प्रमुख ममता बनर्जी, एनसीपी प्रमुख शरद पवार, उद्धव ठाकरे, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, राजद नेता तेजस्वी यादव और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव का नाम शामिल है। हालांकि, पत्र में कांग्रेस, जेडीएस, जेडी (यू) और सीपीआई (एम) से कोई प्रतिनिधित्व नहीं था।

अखिलेश ने जनता को सिलेंडर वाली सांसद की याद दिलाई, बोले- महंगाई चरम पर है

अमेठी/लखनऊ। पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति की पुत्री के विवाह में शामिल होने आए सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव प्रदेश सरकार पर जमकर हमलावर रहे।अमेठी सांसद को पूर्व मुख्यमंत्री ने सिलेंडर वाली सांसद बताया। पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति की पत्नी महाराजी देवी अमेठी विधानसभा से विधायक हैं।

रविवार को उनकी बेटी सुधा की शादी है। शादी में शामिल होने के लिए पूर्व कैबिनेट मंत्री गयात्री प्रजापति को सात दिन की पैरोल मिली है। इस दौरान अखिलेश यादव ने प्रदेश की भाजपा सरकार समेत मुख्यमंत्री और अमेठी सांसद स्मृति ईरानी पर जमकर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने कहा कि नव युगल दंपती को शादी की बहुत बहुत शुभकामनाएं। अमेठी अपने नाम से ही जानी जाती है। जो लोग राजनीति में रुचि रखते हैं वे अमेठी को जानते हैं। मैं पहले भी अमेठी आया हूं। आज पुन: मुझे अमेठी आने का मौका मिला। इसलिए मैं जानता को धन्यवाद देता हूं।

उन्होंने अमेठी में सपा को चुना और विधायक बनाया। अखिलेश ने कहा क प्रदेश के हालात आप से छिपे नहीं हैं। अभी सदन खत्म हुआ है। आज महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है। अगर गरीब हैं तो इस सरकार में उसे न्याय नहीं मिला सकता। विपक्ष ने जो भी सवाल उठाए उसके जवाब नहीं दिए गए। भाजपा डंका बजाती थी कि एक उद्योगपति दुनिया में नंबर एक पर पहुंचकर अब पता नहीं किस स्थान पर पहुंच गया है। भाजपा के एक साथी उद्योगपति के 20 लाख करोड़ रुपये डूब गए ।एलआईसी और स्टेट बैंक का पैसा डूब गया। जनता जानना चाहती है कि जिनके कारण पैसा डूबा उन पर कार्रवाई होगी कि नहीं ।अमेठी से सुल्तानपुर से भाजपा की एमपी हैं। जो सिलेंडर वाली एमपी हैं। होली आ गई लेकिन अभी गरीब को सिलेंडर नही मिला। आज चीनी, आटा, रिफाइंड सभी कुछ महंगे हैं। आज किसानों को आलू की कीमत नही मिल रही है। भाजपा ने किसानों को बर्बाद कर दिया ।अखिलेश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों की आय दुगनी करने की बात कर रहे थे। कुछ नहीं हुआ। महंगाई बढ़ गई। भाजपा कहती है कि सिर्फ चार परसेंट बेरोजगारी बची है लेकिन किसी गांव में देख लीजिए कितने बेरोजगार हैं। बस के किराए भी बढ़ा दिए गए। 2024 में भाजपा को सबक सिखाएं। जिन्होंने अच्छे दिनों का वादा किया था। बुलडोजर किसी समस्या का समाधान नही है। कहीं भी बुलडोजर चल रहा है। इस देश को संविधान से चलना चाहिए लेकिन नही चल रहा है। भाजपा बाबा साहब का संविधान नहीं कोई और संविधान चला रही है। इन्होंने संविधान पढ़ा ही नहीं है। बिना समाजवाद के सेकुलरिज्म कैसे संभव है। सड़कों पर सांड अभी भी घूम रहे है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लोग सिर्फ 40 लाख करोड़ का सपना दिखा रहे है। कारखाने लगाने वाले उद्योगपति यहां से फरार हो गए। हमारा गठबंधन सभी 80 सीटों पर लड़ेगा। हम समाजवादी रामचरित मानस के खिलाफ नही है। उन्होंने कहा कि किसी मुख्यमंत्री का आवास गंगाजल से नहीं धोना चाहिए। मैंने कहा कि आप टॉप 10 अपराधियों की सूची निकलवाये। 24 में सपा अपने गठबंधन के साथ चुनाव लड़ेगी ।राहुल गांधी के साथ चुनाव लड़ने पर उन्होंने कहा कि जिससे गठबंधन है उसी के साथ चुनाव 2024 का चुनाव लड़ा जाएगा। अखिलेश ने कहा कि गायत्री और उनके परिवार के साथ अन्याय हुआ है।

सचेंडी से आए तेज तर्रार इंस्पेक्टर पी.के. सिंह ने संभाला बाबू पुरवा थाने का चार्ज

- थाने का चार्ज संभालते ही दरोगा व पुलिसकर्मियों के साथ की बैठक
- दिए निर्देश में कहा शासन की मंशा अनुसार जीरो टॉलरेंस पर सभी को कार्य करना है
- कही बड़ी बात अपराधी है तो छोड़ेंगे नहीं, निर्दोष है तो छेड़ेंगे नहीं
- सड़कों पर शराब पीते दिखे तो होगी सख्त कार्यवाही

बीपीएस न्यूज

कानपुर। (दिग्विजय सिंह) सचेंडी थाना अंतर्गत हार्डवेयर कारोबारी से लूट में जेल गए तीन पुलिसकर्मियों के बाद इंस्पेक्टर सचेंडी पी. के. सिंह को बाबू पुरवा थाने का चार्ज दिया गया है। और बाबू पुरवा इंस्पेक्टर शैलेंद्र सिंह को सचेंडी थाने का चार्ज दिया गया है। सचेंडी थाने से आकर तेजतर्रार इंस्पेक्टर प्रद्युम्न कुमार सिंह ने बाबू पुरवा थाने का चार्ज संभाल लिया। आते ही पी. के. सिंह ने दरोगा व पुलिसकर्मियों के साथ बैठक की साथ ही सभी को दिशा निर्देश दिया कि हम सभी को मिलकर काम करना है। शासन की मंशा के अनुसार जीरो टॉलरेंस पर काम करना है। किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा और किसी भी निर्दोष को परेशान नहीं किया जाएगा। इसी के साथ सभी को क्षेत्र में गश्त करने के साथ अपराध पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए। बैठक करने के बाद क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला और क्षेत्र के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की।

बीपीएस न्यूज संवाददाता ने पूछा कि लोग शराब सड़कों, गलियों, दुकानों व ठेलों पर पी रहे हैं क्या करेंगे। तो उत्तर दिया दिखलाया जाएगा ङ्क चिन्हित मॉडल शॉप पर बनी कैंटीन में ही पीने की अनुमति दी जाएगी। पूछनें पर कि गरीब, निर्बल, असहाय पीड़ित व्यक्ति की सुनवाई चौकी में नहीं होती है। और थाने जाने पर उन्हें चौकी जाने के लिए टरका दिया जाता है। तो उत्तर दिया कि पीड़ित व्यक्ति हम से स्वयं मिलकर शिकायत कर सकता है। नियमानुसार उचित कार्यवाही की जाएगी। साथ ही बताया कि सभी दरोगा, पुलिसकर्मियों को कहा है कि आप लोगों की कोई भी शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। नाही कहीं से ऑडियो, वीडियो की रिकॉर्डिंग मिलने चाहिए। सभी क्षेत्र में अपनी छवि अच्छी बनाए रखें। अब देखने वाली बात यह है कि आने वाले समय में इनकी कथनी और करनी में क्या अंतर रहता है।

संपादकीय

समरसता की शर्त

निस्संदेह, हिंदुत्व में धर्मांधता की कोई जगह नहीं है। सदियों से भारतीय संस्कृति ने दुनिया के तमाम धर्मों को इस देश में अंगीकार किया है। यदि 21वीं सदी में भी हम अतीत में विदेशी आक्रांताओं की कटुता का बोझ ढोते रहे हैं, तो यह समरसता के समाज के लिये हानिकारक ही साबित होगा। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने बर्बर विदेशी आक्रांताओं द्वारा बदले गये ऐतिहासिक नामों को फिर से बदलने के लिये एक आयोग गठन की मांग को सिरे से खारिज कर दिया। कोर्ट ने माना कि विदेशी आक्रांताओं ने अत्याचार किये, लेकिन हम इतिहास को नये सिरे से तो नहीं लिख सकते। सामाजिक समरसता के लिये सामंजस्य स्थापित करना ही होगा। कोर्ट का मानना था कि ऐसी अवधारणाओं को खारिज किया जाना चाहिए जो समाज में विभाजन को बढ़ावा देने वाली हों। साथ ही अदालत ने यह भी कहा कि बड़ी सोच की सनातन संस्कृति को संकीर्ण नजरिये से नहीं देखा जा सकता। इतना ही नहीं, शीर्ष अदालत ने सख्त लहजे में समय के साथ दफन विवादास्पद मुद्दों को संकीर्ण लक्ष्यों के लिये उभारने की नीयत पर भी सवाल उठाये। यह विडंबना ही है कि पिछले कुछ दशकों में वोटों की राजनीति के लिये आये दिन जिलों,सड़कों, स्टेशनों, स्टेडियमों व भवनों के नाम बदलने की परिपाटी ही चल पड़ी है। निश्चय ही इस परिप्रेक्ष्य में कोर्ट की टिप्पणी मार्गदर्शक साबित होगी। साथ ही कोर्ट ने साफ किया कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है, हर व्यक्ति की समानता के लक्ष्य को पाने हेतु सत्ताधीशों की संविधान के प्रति जवाबदेही जरूरी है। दरअसल, शीर्ष अदालत में जस्टिस के.एम. जोसेफ और बी.वी. नागरत्ना की खंडपीठ ने नामकरण आयोग गठित करने की मांग करने वाले याचिकाकर्ता को आड़े हाथ लिया और कहा कि भारत आज अतीत का कैदी नहीं रह सकता। अदालत का मानना था कि शहरों, सड़कों, स्मारकों तथा भवनों का नाम बदलना संकीर्णता का पर्याय है, जिसका मकसद एक समुदाय के अस्तित्व की अवहेलना करना है।

जस्टिस जोसेफ ने कहा कि भले ही मैं ईसाई हूं लेकिन मैंने हिंदू धर्मग्रंथों का अध्ययन किया है और इसमें संकीर्णता के लिये कोई स्थान नहीं है। यह सदा सहिष्णुता,विविधता व समावेशी मूल्यों का पक्षधर रहा है। जिसने भारत को दुनिया में विशिष्ट पहचान दी है। ऐसे में अतीत के मुद्दे उठाकर समाज में वैमनस्य पैदा करने की किसी भी कोशिश की न केवल न्यायपालिका द्वारा बल्कि राजनीतिक नेतृत्व द्वारा भी स्पष्ट शब्दों में निंदा की जानी चाहिए। यह विडंबना ही है कि ब्रिटिश शासन के फूट डालो राज करो के एजेंडे को आगे बढ़ाने में स्वतंत्र भारत के राजनीतिक दलों ने कोई कोर कसर बाकी नहीं रखी। दरअसल, मुगलकालीन व ब्रिटिशकालीन नामों को बदलने की कोशिशें राजग सरकार के कार्यकाल में ही नहीं हुई बल्कि कांग्रेस के शासनकाल में भी कनॉट प्लेस और कनॉट सर्कस के नाम बदले गये थे। दरअसल, 'हमारी सरकार, हमारा नामकरण' का नारा केंद्र से लेकर राज्य सरकारों तक में सत्ता के दंभ का परिचायक बन गया है।

वैश्विक प्रतिद्वंद्विता से सुलगता रूस-यूक्रेन युद्ध

यह भी साफ है कि रूस और अमेरिका, दोनों ने ही, यूक्रेन संघर्ष खत्म करने के पर्याप्त यत्न नहीं किए हैं। रूस-चीन के बीच उभरते गठजोड़ से चिंता में पड़े पश्चिमी देशों के परिदृश्य के बीच भारत ने मामला हल करने के प्रयासों में शामिल होने की पेशकश की है। अमेरिका ने चीन द्वारा मध्यस्थता का प्रस्ताव ठुकरा दिया है। जाहिर है रूस ऐसे किसी हल पर सहमत नहीं होगा जिससे क्रीमिया तक पहुंच मार्गों को खतरा बने। सदियों से दक्षिणी यूक्रेन में रूसी और यूक्रेनी मिल-जुलकर रहते आए हैं।

पूर्व रूसी राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव के अयोग्य और भ्रमित नेतृत्व के चलते 26 दिसम्बर, 1991 को सोवियत संघ का विघटन हो गया। रूस के घटक रहे 16 सोवियत गणतंत्र पूर्ण स्वतंत्रता पाकर अलग हो गए। इस टूटन का रोचक पहलू यह रहा कि लगभग सभी पूर्व घटकों में बड़ी संख्या में बसे रूसी मूल के लोग इस अलहदगी के बाद भी अपनी जगह बने रहे। आज भी हजारों रूसी उन इलाकों में रह रहे हैं और वहां पर ज्यादातर रूसी बोली जाती है। पूर्व सोवियत संघ से जुड़े इन गणराज्यों के अपने पड़ोसी मुल्कों के साथ आपसी संबंध और प्रगाढ़ होते गए तो रूस के साथ भी रिश्ते मधुर बने रहे। रोचक यह भी है कि मुस्लिम बहुल पूर्व सोवियत घटक गणराज्य जैसे कि कजाखस्तान, किर्गीज़स्तान, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान इत्यादि आज शंघाई संगठन के सदस्य हैं, तो अज़रबैज़ान वार्ता-सहयोगी देश है। मध्य एशिया में रूस के साथ इनके ऐतिहासिक संबंध काफी महत्व रखते हैं। रूस के पश्चिमी दिशा के पड़ोसी देशों के लिए समृद्ध पश्चिमी देश जैसे कि फ्रांस, जर्मनी, नॉर्वे और फिनलैंड के साथ सहयोग करके ज्यादा फायदा हुआ है।

रूस के लिए, पूर्व सोवियत संघ से घटक रहे पूरबी यूरोपियन गणतंत्र यदि फ्रांस और जर्मनी समेत अपने पश्चिमी यूरोपियन पड़ोसियों से निकट संबंध बनाते हैं, तो इस पर आपत्ति करने की कोई वजह नहीं थी। लेकिन चिंतित होना तब स्वाभाविक बन गया जब एकदम सटे देश अमेरिका और नाटो संगठन से सैन्य गठबंधन करने लगे। नाटो में अमेरिका की भूमिका का मुख्य निशाना रूस की घेराबंदी और उसे सीमित करना माना जाता है। हर कोई जानता है है कि यूरोप में बने हालिया तनाव का पूरा तानाबाना तब बना जब यूक्रेन के युवा किंतु अपेक्षाकृत कम अनुभवी राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन अचानक पींगें बढ़ाने लगे। पिछले कुछ सालों से यूक्रेन ने अमेरिका के साथ निकट सैन्य रिश्ते बनाए हैं। नतीजतन, यूक्रेन को परिष्कृत हथियार मिले हैं जिसके बूते पर वह रूस के थलीय एवं जलीय सुरक्षा हितों को सैन्य चुनौती देने लायक खुद को समझने लगा। वह अपने दक्षिणी तटों पर संपूर्ण इलाकाई सार्वभौमिकता बनाने वाली महत्वाकांक्षा पूरी करना चाहता है।

रूस और यूक्रेन के बीच मुख्य इलाकाई विवाद क्रीमिया प्रायद्वीप को लेकर जारी है। क्रीमिया पर रूस के काला सागर नौसेना बेड़े का नियंत्रण 1783 से कायम है। दो शताब्दियों से अधिक समय से यह इलाका रिवायती तौर पर यूक्रेन की सार्वभौमिकता के तहत न होकर रूस के अंतर्गत रहा है। बेशक रूस चाहता है कि ओडेस्सा बंदरगाह तक भी उसकी पहुंच पहले जैसी निर्बाध बनी रहती, परंतु वह इस प्रयास में सफल नहीं रहा। यदि काला सागर के तट का इस्तेमाल दोनों मुल्क मिलकर करें तो यह ज्यादा समझदारी होती, क्योंकि दोनों के नौवहनीय व्यापारिक हित एक समान जुड़े हुए हैं। यह बात रूस और यूक्रेन से पश्चिम एशिया और अफ्रीका को गेहूं के निर्यात पर खासतौर पर लागू है। लंबे समय से ओडेस्सा बंदरगाह से होकर भारत का व्यापारिक लेन-देन इन दोनों मुल्कों से होता आया है। जाहिर है किसी भी शांति हल को यह हकीकत ज़हन में रखनी होगी कि रूस किसी भी हालत में क्रीमिया से जुड़े अपने हितों से समझौता नहीं करने वाला। काला सागर के ओडेस्सा बंदरगाह तक अपनी ऐतिहासिक पहुंच को बरकरार रखना रूस का नैसर्गिक हित है। युवा और अनुभवहीन वोल्दोमीर जेलेंस्की के 20 मई, 2019 को यूक्रेन का राष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद से रूस और यूक्रेन के बीच तनाव बनने लगा क्योंकि जेलेंस्की को लगता था वे बाइडेन प्रशासन से नज़दीकी बनाकर रूसी प्रभाव से मुक्त हो सकते हैं। 2021 में अपनी वाशिंगटन यात्रा के दौरान जेलेंस्की ने राष्ट्रपति बाइडेन के साथ संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए जो स्पष्टत: सख्त रूस विरोधी प्रावधानों से युक्त था। इसमें कहा गया 'रूस की आक्रामकता के मद्देनजर, यूक्रेन की सार्वभौमिकता, स्वतंत्रता और इलाकाई अखण्डता बनाए रखने के प्रति अगाध प्रतिबद्धता प्रकट करते हैं, इसका दायरा क्रीमिया सहित अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सीमाओं के अंदर पड़ते इलाके के अलावा अंतर्राष्ट्रीय जलीय सीमा तक है।' स्पष्टत: इस समझौते का मकसद क्रीमिया तक रूस की निर्बाध पहुंच को चोट पहुंचाने वाली यूक्रेनी कार्रवाइयों को शह देना है। इसके तुरंत बाद अमेरिका ने यूक्रेन को परिष्कृत सैन्य हथियार और उपकरण दिए।

आज भी हजारों रूसी उन इलाकों में रह रहे हैं और वहां पर ज्यादातर रूसी बोली जाती है। पूर्व सोवियत संघ से जुड़े इन गणराज्यों के अपने पड़ोसी मुल्कों के साथ आपसी संबंध और प्रगाढ़ होते गए तो रूस के साथ भी रिश्ते मधुर बने रहे। रोचक यह भी है कि मुस्लिम बहुल पूर्व सोवियत घटक गणराज्य जैसे कि कजाखस्तान, किर्गीज़स्तान, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान इत्यादि आज शंघाई संगठन के सदस्य हैं, तो अज़रबैज़ान वार्ता-सहयोगी देश है। मध्य एशिया में रूस के साथ इनके ऐतिहासिक संबंध काफी महत्व रखते हैं। रूस के पश्चिमी दिशा के पड़ोसी देशों के लिए समृद्ध पश्चिमी देश जैसे कि फ्रांस, जर्मनी, नॉर्वे और फिनलैंड के साथ सहयोग करके ज्यादा फायदा हुआ है। राष्ट्रपति पुतिन ने फरवरी, 2022 में अपने सैनिकों को दक्षिणी यूक्रेन पर चढ़ाई करने के आदेश दिए, जिसका साफ उद्देश्य था लुहान्सक और दोनेस्तक शहरों को कब्जा कर उन्हें बतौर स्वतंत्र राज्य स्थापित करना। यह करके उन्होंने रूस का नियंत्रण उन इलाकों पर बनवाना चाहा जहां बड़ी संख्या में रूसी मूल के लोग बसे हैं। अनुमान है कि यूक्रेन की कुल 4.33 करोड़ आबादी में लगभग 77 लाख रूसी मूल के लोग हैं। यूक्रेन के छह दक्षिणी इलाकों में, जहां से होकर रूस के काला सागर के बंदरगाहों तक पहुंच मार्ग गुजरते हैं, वहां ज्यादातर आबादी रूसियों की हैं। रूस का काला सागर नौसेना बेड़ा वर्ष 1783 में क्रीमिया प्रायद्वीप में स्थापित हुआ था। यह इलाका पुराने वक्त से ही रूस का काला सागर, अज़ोव सागर और भूमध्य सागर तक आवाजाही का द्वार रहा है।

बाइडेन-जेलेंस्की घोषणापत्र के बाद यूक्रेन को भारी मात्रा में अमेरिकी एवं नाटो सैन्य सामग्री मिलने और अपने सागरीय पहुंच मार्गों को खतरे में पड़ते देख रूस ने उस पर चढ़ाई कर दी, जो कि अनियोजित प्रतिक्रम अधिक है। रूस को उम्मीद थी कि वह जल्द ही यूक्रेन के अधिकांश इलाके कब्जा लेगा, विशेषकर रूसियों की बहुलता वाले दक्षिणी भाग, जो क्रीमिया से लेकर ओडेस्सा तक फैला है। लेकिन यूक्रेन के तगड़े पलटवार ने, जिसके पीछे अमेरिकी और नाटो हथियारों की ताकत है, रूसियों के पश्चिम नीत अभियानों को रोक डाला। बड़ी बात यह है फिलहाल दक्षिणी यूक्रेन में रूसी ठिकानों पर यूक्रेनी सेना लगातार हमले कर रही है। इस खूनी युद्ध के पहले साल में हुई कुल मौतों का अनुमान अलग-अलग है।

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस विशेष - स्त्री विमर्श पर दो फाड़ है समाज ...!

पंकज कुमार मिश्रा (जौनपुर)

नेहा सिंह राठौर , स्वरा भास्कर जैसों की कुत्सित मानसिकता देखकर लगता है कि शायद वामपंथी विद्रोही पहले ऐसी ही रही होंगी । जिन्हें जनता के खिलाफ, आवाज उठाने पर भारत के खिलाफ मुंह खोलने पर वामियों द्वारा भद्दी से भद्दी तारीफ , समर्थन और सरकार से सरकारी नोटिस और माहौल बिगाड़ने का फरमान जारी कर दिया गया उसके बाद भी नेहा सिंह राठौर की हिम्मत देखकर लगता है कि हिटलर चला गया।

आज 21वीं सदी में जब भी हम महिला सशक्तिकरण की बात करते है तो जहन में कुछ ऐसे नाम उभर आते है जो पूर्व में समाज से स्थापित महिला दमन के आगे हार न मानते हुए सदी के नए पटल पर सम्पूर्ण विश्व में अपनी धाक बनाने में कामयाब रही । हर तरफ भांट, चारण बनने की होड़ लगी है, तमाम अधिकारी,व्यापारी, विचारक, कलाकार, गायक, कवि, बुद्धिजीवी महिला है जो दबंग किस्म के स्वभाव के कारण चर्चित भी रही है अब चाहे वाराणसी की फर्जी एडमिशन वाली ऋचु गर्ग हो या लोकगायिका के नाम पर कलंक और लोकगायन को बदनाम करने वाली नेहा सिंह राठौर हो । कुछ महिलाएं तो पूर्ववर्ती अखिलेश सरकार के तलवे चाटने और उनके चरणों की धूल माथे पर और चरणामृत मुंह में लेने को बेताब हैं, तो कुछ राहुल गांधी के सामने पद की अपेक्षा में मुंह फाड़ें भैंसों जैसी खड़ी है। भ्रांतियों के सामने थोड़ा सा सरेंडर करने से जिंदगी आसान हो जा रही है, इनाम इकराम अलग मिल रहा है , मनमर्जी करने की छूट मिल रही है, लोगो को लगता है ,जनता के मुद्दों की आवाज उठाना आफत मोल लेना है , वहीं भारत की होनहार बेटियां कल्पना चावला, महामहिम राष्ट्रपति, महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश आनंदी बेन , महिला सशक्तिकरण की बेहतरीन उदाहरण है। किंतु नेहा सिंह राठौर , स्वरा भास्कर जैसों की कुत्सित मानसिकता देखकर लगता है कि शायद वामपंथी विद्रोही पहले ऐसी ही रही होंगी । जिन्हें जनता के खिलाफ, आवाज उठाने पर भारत के खिलाफ मुंह खोलने पर वामियों द्वारा भद्दी से भद्दी तारीफ , समर्थन और सरकार से सरकारी नोटिस और माहौल बिगाड़ने का फरमान जारी कर दिया गया उसके बाद भी नेहा सिंह राठौर की हिम्मत देखकर लगता है कि हिटलर चला गया, झुठलर और उनके चेले कभी नहीं जायेंगे । आने वाला भविष्य आने वाला भारत नेहा सिंह राठौर को उनकी घटिया मानसिकता के लिए याद रखेगा । स्त्री विमर्श में आज भी समाज दो फाड़ है । महिला शरीर और चेहरे को विरूप करने के अनेक उदाहरण विभिन्न देश-काल से मौजूद हैं, जो यह बताते हैं कि किस तरह से लंबे समय से समाज में स्त्रियों को विरूपता को अंगीकार करने के लिए बाध्य किया गया है। शारीरिक विरुपता के जबरन अंगीकार करवाए जाने के तमाम सन्दर्भ हमें इतिहास से मिलते हैं और कुछ ऐसे भी हैं जो वर्तमान में हमारे आसपास उपलब्ध हैं। लोटस फीट का प्रचलन चीन में था। इसमें पैरों को बाँध कर उनका स्वाभाविक विकास अवरुद्ध किया जाता था। चीन में दो पीढ़ियों की स्त्रियां इस परंपरा से आक्रांत रहीं। लोटस फीट की चीनी परम्परा को ढूंढने के लिए शिद्दत से इतिहास खंगालने की जरूरत नहीं पड़ती। चीन की ये परम्परा जग- ज़ाहिर है। इसके अनेक ऐतिहासिक संदर्भ मौजूद हैं। चीनी पितृसत्तात्मक समाज के द्वारा स्त्रियों के बीच छोटे पैर की यह अवधारणा आकर्षण के तिलिस्म में लपेटकर प्रस्तुत की गई थी । परंपरा से स्त्री के आकर्षण की परिणिति पुरुष की लोलुप दृष्टि में होती आई है। लोटस फीट से जुड़ा क़िस्सा मुझे पहली बार मेरी दादी ने सुनाया था। पूरा विस्तार और संदर्भ तो अब याद नहीं। बस इतना याद है कि , %सर बड़ा सरदार का , पैर बड़ा गंवार का% एक कहावत प्रचलित थी। उससे जुड़ी मेरी उत्सुकता के शमन के लिए दादी ने हमें चीनी स्त्रियों की कहानी सुनाई थी। कहावत में सरदार और गंवार शब्द सामाजिक प्रतिष्ठा सूचक संदर्भ में इस्तेमाल किए गए हैं। चीन के समाज में छोटे पैरों से जुड़े हुए आकर्षण की अवधारणा का विकास कब कैसे और क्यों हुआ इसके तमाम ऐतिहासिक संदर्भ दस्तावेज़ों में मिलते हैं । चीनी समाज में इन्हें लम्बे समय तक भावी दुल्हन के %सर्वाधिक आकर्षक गुण% के रूप में प्रस्तुत किया जाता रहा। दुल्हन की %विशिष्ट शारिरिक गुणवत्ता% होने के साथ-साथ इस परम्परा के अन्य अनेक सामाजिक निहितार्थ भी थे। बंधे हुए पैर चलने-फिरने में असुविधाजनक थे। बिना किसी प्रयास के ये लड़कियों को घर की चौहद्दी के भीतर ठेल देते थे। मंशा यह थी कि घर में रहकर वे घर-गृहस्थी के काम-काज में दक्ष हों। घरेलू काम-काज में दक्षता पुरातन काल से पितृसत्तात्मक समाज में स्त्री की विशिष्टता और अतिरिक्त योग्यता बताई जाती रही है। किन्तु वास्तव में यह योग्यता कम उनके ऊपर आरोपित बाध्यता अधिक रही है। इस तरह जबरन पैर के प्राकृतिक विकास को अवरूद्ध किए जाने से पैरों में विकृत आनी स्वभाविक थी। यह एक क़िस्म से शरीर पर आरोपित की गई क्रूरता थी जिसका ख़ूमयाज़ा स्त्रियां जीवन भर भुगतती थीं। बंधे हुए पैरों में दर्द तो होता ही था साथ ही साथ ख़ून के प्रवाह (रक्त संचार) के अवरुद्ध हो जाने से उनकी हड्डियां कमजोर हो जाती थी और स्नायु तंत्र की पकड़ क्रमश: ढीली पड़ जाती थी । कई बार उन्हें गैंग्रीन (कोथ) जैसी बीमारी से भी गुज़रना पड़ता था। विरूपित पैर न सिर्फ़ देखने में अनाकर्षक और भद्दे दिखते थे सामान्य चाल को भी प्रभावित करते थे। इस तरह का क्रूर और ख़ुराफ़ाती विचार जिस भी मानव मस्तिष्क में पहली बार उपजा हो उसकी व्यक्तिगत कुंठा और स्त्री-द्वेष अपरिमेय है। चीन की यह परंपरा जिसे आज हम %लोटस फीट% के नाम से जानते हैं आज की तारीख़ में रिकॉर्डेड हिस्ट्री का हिस्सा बन गई है । इससे जुड़े पर्याप्त ऐतिहासिक-पुरातात्विक संदर्भ और उनका विश्लेषण हमें उपलब्ध है। एक समय में चीनी समाज की स्त्रियों के छोटे पैर से जुड़ी सनक की पर्याप्त चर्चा रही है और ज़्यादातर लोग उससे वाकिफ़ भी है। सन 1912 ईस्वी में यह प्रथा प्रतिबंधित कर दी गयी थी।

सब था.....पत्थर

बात पत्थरों की चली।
पत्थरों के शहर में हर इंसान ... पत्थर ।
हंसता -बोलता ,रोता -खेलता हर इंसान..... पत्थर ।
और दुनिया बनाने वाला इंसान का भगवान ...पत्थर ।
बात पत्थरों की चली.....सब था पत्थर।
इंसानियत को दरकिनार करते कुछ किरदार..... पत्थर।
अपनों की ठोकरों में आयें कुछ मतलबी वफादार..... पत्थर।
बन बैठे सिपाहसालार धर्म और समाज के कुछ अमूल्य.... पत्थर।
बात पत्थरों की चली।
पत्थरों के शहर में हर इंसान ... पत्थर ।
पत्थरों के हर शहर का हर मकान..... पत्थर।
वक्त की चक्की में पिसता हर आम-खास....पत्थर।
दिल कहाँ है... उसकी जगह गढ़ा है कबरिस्तान -सा....पत्थर।
इंसानियत को दरकिनार करते वो किरदार..... पत्थर।
अपनों की ठोकरों में आयें कुछ मतलबी वफादार..... पत्थर।
बन बैठे सिपाहसालार धर्म और समाज के वो जहनदार.... पत्थर।
बात पत्थरों की चली।
पत्थरों के शहर में हर इंसान ... पत्थर ।
मर गई ख्वाहिशें उम्मीदों के पांव पड़ते- पड़ते।
वो पिघला ही नहीं जो था सबसे बड़ा था.... पत्थर।
ठोकर में रहकर जो रगड़ खायें... पत्थर।
जिंदगी की आग जला कर वहीं मीलपत्थर बन जाएं.... पत्थर।
पत्थर.... पत्थर को भी पिघला सकता है ।
अगर एक दिन बन जाए वो शाहकार ....पत्थर।

स्वरचित रचना
प्रीति शर्मा असीम
नालागढ़ हिमाचल प्रदेश

भावनानी के भाव

मानव जीवन को दुष्परिणामों से बचाना है
वैश्विक मंचों पर सहभागिता और सक्रियता से
जलवायु परिवर्तन की समस्याओं का हल
उपाय साझा कर मिलकर निकालना है
मानव जीवन को दुष्परिणामों से बचाना है
भारत पर्यावरण चुनौतियों से निपटने
1972 से यूएनईपी के साथ जुड़ा हुआ है
यह पर्यावरण पर अग्रणी वैश्विक आवाजों
में से महत्वपूर्ण आवाज है
यूएनईपी पर्यावरण देखभाल में भागीदारी
को प्रोत्साहित देने महत्वपूर्ण काम करता है
नेतृत्व प्रधान कर प्रेरित करके सूचना
पहुंचाने और प्रेरित कर उत्साहित करता है
यूएनईपी की सराहनीय सक्रियता अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग
को मजबूत करने जलवायु परिवर्तन जैवविविधता
के सहयोग को मजबूत करने प्रदूषण कचरे से
निपटने पर्यावरण में चुनौतियों का समाधान
सामूहिक करना है ।

एडवोकेट किशन सनमुख़दास
भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

सोशल मीडिया भारत के 33 करोड युवको को गुमराह कर रही है

सोशल मीडिया और युवाओ मे बढ़ता मनोविकार विषय पर संगोष्ठी

रिसर्च फाउंडेशन और भारत विकास परिषद के तत्वावधान मे आज अग्रसेन भवन,किदवई नगर मे सोशल मीडिया और युवाओ मे बढ़ता मनोविकार पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।जिसका उद्घाटन डी ए वी कालेज के प्रोफेसर अरूण कुमार दीक्षित ने दीप प्रज्वलित करके किया ।उन्होने अपने सम्बोधन मे कहा कि समाज मे हम कितना दे सकते है हमे यह सोचना है ।आज सारी कीमत डेटा की है। दुनिया मे कोई चीज हमे मुफ्त नही मिलती है। भारत मे 33 करोड युवाओ को गुमराह करने का कार्य सोशल मीडिया कर रही है। आज सोशल मीडिया की ताकत सरकार तक बदल देती है। अन्य वक्ताओ प्रमोद दादू, शिव कुमार दीक्षित, विप्पू रजक, आभा सिह आदि ने कहा कि हमे सोशल मीडिया का उपयोग केवल 30 मिनट ही करना चाहिये ।मनोविकार से सम्बंधित से ग्रसित बच्चो की मदद के लिए हमारी संस्थान तैयार है।

हमे सकरात्मक पहलू देखना चाहिए। सम्पर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा व सम्परण से भारतीय युवको को जागरूक करना है ।कुमुद श्रीवास्तव ने सोशल मीडिया के फोमो और जोमो प्रत्यय की ओर घ्यान आकर्षित किया ।सोशल मीडिया के गुणो को अपनाने और दोषो को त्यागने की अपील किया। वरिष्ठ पत्रकार अजय कुमार ने कहा किफेसबुक से 6 ब्न लोग डिपेशन व 20 ब्न लोग चिड़चिड़े हो रहे है। हमे नवयुवको को जागरूक करने की जरूरत है ।जिसमे कानपुर नगर के सम्मानित समाज सेवियो ,पत्रकारो आदि ने शिरकत किया ।मंच का संचालन राजीव मिश्रा ने किया ।आये अतिथियो को घन्यवाद एम एल अग्रवाल ने किया। इस कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से मनीषा अग्रवाल, पी एन शर्मा, दिलीप कुमार मिश्रा,अनुज उमराव,पी एन शर्मा, राघे श्याम अग्रहरि,नीलम चतुर्वेदी, पूनम तिवारी,मीरा दुबे,दिव्या तिवारी,आत्म प्रकाश दीक्षित आदि लोग मौजूद रहे।

तमन्ना मतलानी गोंदिया(महाराष्ट्र)

बीपीएस न्यूज, कानपुर

फार्म-4

(नियम 8 के देखिए)

1. प्रकाशन स्थान	:	कानपुर (यूपी)
2. प्रकाशन अवधि	:	साप्ताहिक
3. मुद्रक का नाम	:	बुद्ध प्रकाश साहू
क्या भारत का नागरिक है?	:	हां
(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	X X X X X
पता-	:	344, बगाही भट्ठा, टीपी कानपुर नगर
4. प्रकाशक का नाम	:	बुद्ध प्रकाश साहू
क्या भारत का नागरिक है?	:	हां
(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	X X X X X
पता-	:	344, बगाही भट्ठा, टीपी कानपुर नगर
5. सम्पादक का नाम	:	बुद्ध प्रकाश साहू
क्या भारत का नागरिक है?	:	हां
(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	X X X X X
पता-	:	344, बगाही भट्ठा, टीपी कानपुर नगर

मैं बुद्ध प्रकाश साहू एतद्द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

दिनांक : 03मार्च 2023 ह/- बुद्ध प्रकाश साहू

प्रकाशक

मैं सुरेश शर्मा एतद् द्वारा घोषणा करता हूं कि मेरी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार उपरोक्त विवरण सत्य है।

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- सम्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ज़्लाक स्तर पर ज्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें -:

मो.: 8423454502, 9335908846

email:bps.knp786@gmail.com

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 9335908846, bps.knp786@gmail.com

न्यू कानपुर सिटी को मूर्त रूप देने की कवायद, माइक्रोलेबिल पर कार्यवाही प्रारम्भ

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उपाध्यक्ष कानपुर विकास प्राधिकरण श्री अरविन्द सिंह द्वारा कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 100 हे0 से अधिक क्षेत्रफल में प्रस्तावित फ्लैगशिप योजना ''न्यू कानपुर सिटी'' को मूर्त रूप देने की कवायद/माइक्रोलेबिल पर कार्यवाही प्रारम्भ, योजना शीघ्र ही धरातल पर होगी।

गत दिनों भारत के प्रतिष्ठित कॉरपोरेट घराने के सुपर मल्टीस्पेलिटी हॉस्पिटल के डॉक्टरों की टीम के पश्चात् आज प्रादेशिक स्तर की शिक्षण संस्था के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम ने प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ न्यू कानपुर सिटी योजना का किया भ्रमण*

इस टीम द्वारा न्यू कानपुर सिटी योजना का ले-आउट देखा गया तथा इस पर प्राधिकरण अधिकारियों से परिचर्चा भी की गयी*

उपाध्यक्ष महोदय के निर्देशन

में प्राधिकरण द्वारा किये जा रहे इस प्रकार के नवाचार प्रयासों से कानपुर नगर में शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के एक नये उच्च स्तर का पदार्पण/आगमन सृजित हो सकेगा।*प्राधिकरण के अभियंत्रण एवं भूमि बैंक विभाग की टीम द्वारा उक्त प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम को न्यू कानपुर सिटी योजना का कराया गया भ्रमण तथा वर्तमान वस्तुस्थिति व आगामी कार्ययोजना से कराया गया अवगतअवगत*

दूसरी ओर इसके अतिरिक्त उपाध्यक्ष कानपुर विकास प्राधिकरण श्री अरविन्द सिंह द्वारा आज अभियंत्रण विभाग की टीम के साथ सिंहपुर तिराहा से ''न्यू कानपुर सिटी''के क्षेत्र/एलाइनमेण्ट का भ्रमण किया गया।

उपाध्यक्ष महोदय द्वारा भ्रमण के दौरान सिंहपुर तिराहा एवं अन्य चैराहों के चैड़ीकरण के दिये गये निर्देश।

सिंहपुर तिराहा पर प्रकाश के समुचित व्यवस्था हेतु हाईमास्क लाइट एवं अन्य चैराहों पर आवश्यकतानुसार लाईट्स लगाये जाने हेतु उपाध्यक्ष महोदय द्वारा निर्देशित किया गया।

जैसा कि उपाध्यक्ष महोदय द्वारा पूर्व में न्यू कानपुर सिटी क्षेत्र एवं उससे संलग्न रोडो पर प्रकाश अलंकरण (लाईटिंग) का कार्य कराये जाने के निर्देश दिये गये थे जिसके क्रम में प्राधिकरण द्वारा इन क्षेत्रों में लाईटिंग का कार्य आज से प्रारम्भ करा दिया गया है जिससे कि इस क्षेत्र से आने वाले यात्रियों/नागरिकों एवं न्यू कानपुर सिटी योजना के भावी आवंटी लाभान्वित हो सके। इसके पश्चात् उपाध्यक्ष महोदय द्वारा बिठूर चैराहे का भी भ्रमण किया एवं चैराहे पर समुचित प्रकाश की व्यवस्था को दुरूस्त कराये जाने के दिये गये निर्देश।

उपाध्यक्ष महोदय द्वारा लाईटिंग के कार्य को ससमय पूर्ण कराये जाने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को दिये गये निर्देश।

भूमाफिया से निजात दिलाए जाने की मांग

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मनीराम बगिया निवासी बुजुर्ग अनिल कुमार शुक्ला ने शासन से मदद की गुहार लगाते हुए बताया कि उन्होंने नगर समाज गृह निर्माण समिति लिमिटेड से बुढ़पुर मछरिया क्षेत्र में प्लॉट नं 7 समिति के सचिव सुरेंद्र सिंह से सन 1986 में खरीदा था जिसके उनके पास सभी कागजात मौजूद हैं मौजूदा समय में क्षेत्र के ही लवजीत यादव के द्वारा निरंतर कब्जे का प्रयास किया जा रहा है। आरोप लगाते हुए बताया कि समिति के कुछ पदाधिकारी भी उनके प्लाट पर कब्जा कराने में पूर्ण रुप से सहयोग कर रहे हैं अनिल कुमार शुक्ला ने बताया कि विगत दिनों लवजीत यादव के द्वारा जबरन उनके प्लाट पर निर्माण कार्य शुरू कराया गया जिसकी जानकारी पर वह तत्काल मौके पर पहुंचे तथा स्थानीय थाना बिधनू को सूचित किया स्थानीय पुलिस के द्वारा मौके पर आकर तत्काल का रुकवा कर जांच के बाद ही निर्माण की बात स्थानीय पुलिस ने की।बुजुर्ग अनिल शुक्ला ने वार्ता में बताया कि उनके द्वारा कानपुर पुलिस कमिश्नर सहित उत्तर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर निष्पक्ष जांच कर मदद की गुहार लगाई गई हैं। नम आंखों से पीड़ित अनिल ने बताया कि उन्हें न्याय न मिलने पर वह परिवार सहित आत्मदाह कर देंगे

सब्जियों की जैविक खेती स्वाद, सेहत से लाभकारी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएसए शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा जनपद में रसायन मुक्त सब्जी उत्पादन के लिए प्रशिक्षण के माध्यम से कृषको को जागरूक किया जा रहा है।इसी कड़ी में आज रसूलाबाद विकासखंड के गांव आलमपुरखेड़ा में कृषक श्री बाबू राम के प्रक्षेत्र पर कृषकों हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि आधुनिक कृषि के तहत रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित प्रयोग एवं जैविक खादों के नगण्य उपयोग की वजह से भूमि में मुख्य एवं सूचहम पोषक तत्वों की कमी होने से न केवल फसलों की पैदावार में गिरावट आ रही है। बल्कि विभिन्न कृषि उत्पादों की गुणवत्ता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। डॉक्टर खान ने बताया कि सब्जी उत्पादन में यह समस्या गंभीर रूप धारण करती जा रही है। क्योंकि इनमें फसलों की अपेक्षा रासायनिक उर्वरक तथा पौध संरक्षण और वृद्धि नियंत्रक रसायनों का बेशुमार इस्तेमाल किया जा रहा है।जिसके परिणाम स्वरूप जल वायु प्रदूषण भी बढ़ता जा रहा है उन्होंने कहा कि जैविक सब्जी उत्पादन से स्वास्थ्य व सेहत के लिए सर्वोत्तम है। जैविक सब्जियों के प्रति उपभोक्ताओं के बढ़ते रुझान के कारण बाजार में इन सब्जियों के बेहतर दाम मिलने की वजह से किसानों के लिए सब्जियों की खेती मुनाफे का सौदा साबित हो रही है।

इस अवसर पर प्रसार वैज्ञानिक डॉ सुशील कुमार ने सब्जी मटर, मूली, टमाटर ,गोभी, बंद गोभी, पत्ता गोभी इत्यादि सब्जियों की वैज्ञानिक विधि के बारे में विस्तार से किसानों को जानकारी दी। डॉ कुमार ने सब्जी की खेती के तरीके को बढ़ावा देने की पहल की है।

इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक बाबू राम, महेंद्र यादव सहित 60 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

ऊपर वाला करेगा इंसाफ : इरफान सोलंकी, छावनी में तब्दील हुआ कचेहरी परिसर

बीपीएस न्यूज -कानपुर। जिला जेल से हंसते हुए कोर्ट पहुंचे सपा विधायक इरफान सोलंकीन्बोले- ऊपर वाला इंसाफ करेगा, उसकी लाठी में आवाज नहीं होती; परिवार से नहीं मिलने दिया गया।

सपा विधायक इरफान सोलंकी को शनिवार को कानपुर की एमपी/एमएलए कोर्ट में पेश किया गया। उन्हें महाराजगंज जेल से कड़ी सुरक्षा में लाया गया। कोर्ट के बाहर इरफान पुलिस की गाड़ी से हंसते हुए उतरे। समर्थकों को देखकर हाथ हिलाया। फिर कोर्ट से बाहर निकले तो मीडियाकर्मियों के सवाल पर कहा, ऊपर वाला इंसाफ करेगा, उसकी लाठी में आवाज नहीं होती। दो मामलों में इरफान की हुई पेशी कानपुर में शनिवार को दो कोर्ट में इरफान की पेशी हुई। एमपी/एमएलए की सेशन कोर्ट सत्येंद्र नाथ त्रिपाठी की कोर्ट में महिला का घर फूंकने के मामले की सुनवाई हुई। विधायक के साथ आरोपी शौकत अली के वकील ने आरोप मुक्ति की एप्लीकेशन दी थी। जिस पर कोर्ट ने अपना फैसला रिजर्व कर लिया है। हालांकि इससे पहले डिस्चार्ज प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते सेशन कोर्ट ने छह मार्च की तारीख दे दी। वहीं, फर्जी आधार मामले में लोअर कोर्ट में इरफान की पेशी हुई। कोर्ट ने 17 मार्च को सुनवाई की अगली तिथि तय की है। कचहरी के चारों तरफ भी एसीपी की तैनाती की गई। इसके अलावा कचहरी के आसपास 6 इंस्पेक्टर की ड्यूटी लगाई गई। इसमें दो इंस्पेक्टर और एक एसीपी विधायक के साथ मौजूद हैं।

तहसील दिवस में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण कराने के दिए निर्देश

बीपीएस न्यूज कानपुर। जिलाधिकारी विशाख जी0 की अध्यक्षता में घाटमपुर तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में करते लोगो की समस्याएं सुनी गई। जिलाधिकारी ने उपस्थित समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनसामान्य की शिकायतों का स्थानीय स्तर पर समाधान करना शासन की प्राथमिकता है। जिसके आधार पर प्राप्त समस्त प्रकार की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण समयबद्व निस्तारण सुनिश्चित कराया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुधीर कुमार,ए0 डी0सी0पी0 अनिता शर्मा, उप जिलाधिकारी घाटमपुर अमित, मुख्य चिकित्साधिकरी डा0 आलोक रंजन समेत अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

युवती को चाकू मारकर किया घायल

कानपुर। कर्नलगंज थाना क्षेत्र में छेड़छाड़ का विरोध करने पर एक आरोपी ने युवती को चाकू मार दिया। उसने कई बार लड़की पर वार किया। जिससे युवती जख्मी हो गई। कर्नलगंज थाना क्षेत्र स्थित बृजेंद्र स्वरूप पार्क निवासी युवती पर शनिवार सुबह तड़के चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोगों ने आरोपित को पकड़कर पुलिस को सूचना दी। कर्नलगंज पुलिस ने आरोपित को हिरासत में लिया है। आरोपित की पहचान विजय के रूप में हुई। वहीं घायल युवती को पुलिस ने इलाज के लिए हैलट भेजा है। युवती बजरिया थाना क्षेत्र के गूदड़ बस्ती की रहने वाली है। उसके मुताबिक विजय नाम का युवक उसके मोहल्ले में रहता है।

गैस सिलेण्डर पर की गयी 50 रूपये की बढोत्तरी, बढ़ती महंगाई के विरोध में कांग्रेसियों का जिलाधिकारी कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। होली पर्व के पहले जहां अचानक गैस सिलेण्डरों पर 50 रूपये की बढोत्तरी कर दी गयी तो वहीं बढती मंहगाई को लेकर शहर कांग्रस कमेटी के नेताओं, पदाधिकारियों को कार्यकर्ताओं द्वारा कमेटी के नगर अध्यक्ष नौशाद आलम मंसूरी के नेतृत्व में कानपुर जिलाधिकारी गेट पर विरोध प्रदर्शन करते हुए जमकर सरकार विरोधी नारेबाजी की।इस दौरान कांग्रेसियों ने कहा कि देश व प्रदेश की सत्तरूढ भाजपा की सरकार जो अपनी कुटिल्य नीति के चलते न केवल देश व प्रदेश में ढपोलशंखी घोषणाओं से जन मानस को भ्रमित कर रही है, बल्कि अपने झूठे व कपोल कल्पित नारों से देश व प्रदेश में भय व आतंक के माहौल के साथ ही साम्प्रदायिक सौहार्द को बाधित करने का कार्य भी कर रही है।कांग्रेस कमेटी के नगर अध्यक्ष नौशाद आलम मंसूरी ने कहा कि देश व प्रदेश पहले से ही महंगाई की आग में झुलस रहा है।घरेलू सामान से लेकर आटा, दाल, चावल व मसालों की कीमतों ने जन साधारण की कमर तोड रखी थी तो वहीं अब गैस सलेंडर महंगा होने से जनमानस पर आफत टूट पडी है। कहा हम कानपुर महानगर के कांग्रेजन देश में व्याप्त कमरतोड महंगाइ पर मंहगाई के जनक भाजपा की मोदी सरकार का विरोध करते है और मोदी सरकार द्वारा घरेलू गेस की बढाई गयी कीमतों को तत्काल निरस्त करने की मांग करते है।इस दौरान नौशाद आलम मंसूरी, संजीव दरियावादी, संजय शाह, शंकर दत्त मिश्रा, विजय सहित भारी संख्या में कांग्रेसीजन उपस्थित रहे।

छह साल की बच्ची का शव खेत में मिला

कानपुर के सजेती थाना क्षेत्र में मंगलवार को अनुसूचित जाति की छह वर्षीय लड़की का शव एक सुनसान खेत से बरामद हुआ। एक अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि हत्या से पहले लड़की का यौन उत्पीड़न किया गया होगा। अपर पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) अंकिता शर्मा ने बताया कि पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए चंद्रभान, उसकी पत्नी सुधा और भाई सुल्तान सहित तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है।

शर्मा ने यह भी बताया कि लड़की 25 फरवरी को यह कहकर घर से निकली थी कि वह उसी गांव में अपने चाचा के घर जा रही है और लापता हो गई थी। उन्होंने बताया कि काफी खोजबीन करने के बाद पीड़ित परिवार ने उसी दिन देर रात सजेती पुलिस थाने में चंद्रभान, उसकी पत्नी सुधा, भाई सुल्तान और पिता राम प्रकाश समेत चार लोगों के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कराया। डीसीपी ने कहा कि लड़की का शव मंगलवार शाम को उसके घर से करीब डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर एक सुनसान खेत में मिला।

अपर पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) ने बताया, ''हमने मौत के सही कारण का पता लगाने के अलावा पोस्टमार्टम में बलात्कार के पहलू से भी जांच करने का फैसला किया है। हम बच्ची को मारने से पहले उससे बलात्कार किए जाने की आशंका से इनकार नहीं कर सकते लेकिन अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

समाज में चिकित्सकों की अहम भूमिका : स्वप्निल वरुण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भगवान ने अपने दायित्व को कम करते हुए चिकित्सकों को मानव सेवा के लिए धरती पर भेजा। इसलिए चिकित्सकों को धरती का भगवान कहा जाता है। डॉक्टर का पहल धर्म परोपकार व मरीज का सेवा करना होता है। जिसे चिकित्सक पूरी ईमानदारी से निभा रहे है। उक्त बातें शनिवार को उत्कर्ष नर्सिग व पैरामेडिकल कालेज के समारोह में अतिथि बनकर आई जिला पंचायत अध्यक्ष स्वपन्लि वरूण ने कहीं। अध्यक्ष ने कहा कि इस कालेज में कोर्स करने वाले सभी बच्चों के अंदर सबसे पहले सेवाभाव होना चाहिए। असाध्य रोग या फिर किसी भी बीमारी से परेशान मरीज जब चिकित्सक के पास पहुंचता है तो मात्र डॉक्टर के यह कह देने पर कि आप ठीक जो जायेगी। इतने शब्द मात्र से बीमारी से ग्रसित मरीज तत्काल पॉजिटिव हो जाता है। वरूण ने कहा कि दवा से अधिक चिकित्सक व नर्सिग कर्मियों के व्यवहार का असर मरीज पर होता है। कार्यक्रम के दौरान अतिथि स्वपन्लि ने बच्चों को उनके कार्यों के लिए सम्मानित किया।

कार्यक्रम की शुरूआत छात्राओं ने सरस्वती वंदना से शुरू की। इसी दौरान अपर चिकित्साधिकारी डॉक्टर सूबोध सहाय, कालेज के चेयरमैन डॉक्टर राजेश त्रिवेदी और पैरामाउंट हॉस्पिटल निदेशक आर पी शर्मा व भाजपा नेता भूपेन्द्र त्रिपाठी ने दीप जलाकर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने एक के बाद एक डांस और गाने से समा बांध दिया। शानदार प्रदर्शन करने वाले बच्चों को अतिथि स्वपन्लि वरूण और वरिष्ठ भाजपा नेता भूपेन्द्र त्रिपाठी ने प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। कालेज के चेयरमैन ने डिप्टी सीएमओ सूबोध सहाय को, डॉक्टर यशशंवनी त्रिवेदीने अतिथि स्वपन्लि वरूण को राम दरबार देकर सम्मनित किया। भाजपा नेता भूपेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि समाज में चिकित्सकों की अहम भूमिका होती है। इस कार्य में आने के लिए पहले सेवाभाव होना आवश्यक है। श्री त्रिपाठी ने कहा कि इस कालेज में आने वाले बच्चे यह समझ ले कि उन्हें समाज में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका आने वाले समय में निर्वाहन करनी हैं। ग्रामीण जिलाध्यक्ष कृष्ण मुरारी शुक्ला ने कहा कि समाज में चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। घातक बीमारी और मरीज के बीच अगर कोई होता है तो वह है डॉक्टर। इसलिए जो बच्चे आज इस कालेज में आएं है वे अपने दायित्व को समझे और मेहनत से अपना और कालेज का नाम रोशन करें। इस दौरान छात्र और छात्राओं ने डांस और गायन केमाध्यम से जमकर तालियां बटोरी।

चलती ट्रेन से उतरते फिसला पैर, जीआरपी जवान ने बचाई जान

बीपीएस न्यूज

कानपुर। अक्सर लोग ट्रेन में सफर करते समय लापरवाही के चलते ट्रेन हादसों का शिकार हो जाते हैं। ऐसा ही एक दृश्य सीसीटीवी में कानपुर रेलवे सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफॉर्म एक पर देखने को जहां एक महिला अज्ञात कारणों से चलती ट्रेन से उतर गई और असंतुलित होकर गिरने लगी। इस बीच जीआरपी जवान ने फुर्ती दिखाते हुए उसे प्लेटफॉर्म पर खींच लिया। कुछ सेकंड की देरी से महिला ट्रेन की चपेट में आ सकता थी।

जीआरपी थाने में तैनात हेड कांस्टेबल शैलेंद्र कुमार प्लेटफार्म नंबर एक पर मौजूद था। तभी बालामऊ एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल कोच में एक महिला चलती हुई ट्रेन से उतर रही थी तब उसका पैर फिसल गया। महिला अपने साथ बच्चे को पहले उतार चुकी थी। तभी ट्रेन चल दी और वह जल्दबाजी में उतरने लगी। जिसकी वजह से उसका पैर फिसल गया। महिला ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच घुसने लगी तभी दौड़कर हेड कांस्टेबल शैलेंद्र कुमार ने उसे पकड़कर के घसीट लिया। जिससे उस महिला की जान बच गई। सीसीटीवी देखने के बाद शैलेंद्र कुमार की चर्चा पूरे कानपुर जिले में होने लगी और उच्च अधिकारियों ने शैलेंद्र कुमार के इस बहादुरी वाले काम की सराहना भी की है।

बाबूपुरवा थाने में पीड़िता की नहीं हुई सुनवाई, उल्टा नाबालिक भाई को थाने में बैठाया

महिला को अपराधी किस्म के लड़कों ने गिरा गिरा कर रोड पर मारा

थाना बाबू पुरवा अंतर्गत अपनी छत पर दूसरे की सीढ़ी से जूता सुखाने जाना पड़ा भारी महिला को अपनी सीढ़ी से छत पर जाता देख अपराधी किस्म के लड़कों ने गिरा गिरा कर रोड पर मारा। जिसकी कंप्लेंन लेकर वह बाबू पुरवा थाने पहुंची वहां पर पीड़ित की सुनवाई नहीं हुई उल्टा उसके भाई को ही बैठा लिया गया जो कि नाबालिग था

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बीच सड़क में मारी गई महिला को कमिश्नर ऑफिस जाना पड़ा भारी आपको बता दें थाना बाबू पुरवा अंतर्गत अपनी छत पर दूसरे की सीढ़ी से जूता सुखाने जाना पड़ा भारी महिला को अपनी सीढ़ी से छत पर जाता देख अपराधी किस्म के लड़कों ने गिरा गिरा कर रोड पर मारा। जिसकी कंप्लेंन लेकर वह बाबू पुरवा थाने पहुंची वहां पर पीड़ित की सुनवाई नहीं हुई उल्टा उसके भाई को ही बैठा लिया गया जो कि नाबालिग था पीड़िता पहुंची कमिश्नर ऑफिस शिकायत करने ,कमिश्नर के आदेश पर मुकदमा दर्ज करने की बात कही गई। लेकिन पुलिस ने हल्की 323 504 ,506, धाराओं में एनसीआर दर्ज कर पीड़िता को टरका दिया। आरोपियों को इस बात की जानकारी होते ही दबंगों ने दूसरे दिन फिर उसके घर पर गुम्मने और पत्थर चलाएं। पीड़िता अगर दरवाजा ना बंद करती तो हो सकती थी उसकी हत्या, गुम्मे चलाने के बाद आरोपी हुए रफूचक्कर नहीं किया पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई दबंगों के हौसले हुए बुलंद दूसरे दिन फिर पीड़िता को घर में अकेला देख चला दिए गुम्में पत्थर पीड़िता ने 100 नंबर पर कॉल कर तुरंत पुलिस को बुलाया। दबंग घर में पत्थरबाजी कर भाग गए समय रहते पुलिस अगर कर देती कठोर कार्रवाई तो दबंगों के नहीं होते हौसले बुलंद योगी बाबा सरकार में महिला सुरक्षा की बात की जाती है लेकिन महिलाओं को कोई भी सुरक्षा नहीं दी जा रही है।

आईएमए के प्रोग्राम के सम्बन्ध में वार्ता

बीपीएस न्यूज

कानपुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन कानपुर शाखा द्वारा शनिवार को एक पत्रकार वार्ता का आयोजन आईएमए के कॉन्फ्रेंस हॉल परेड कानपुर में किया गया। यह पत्रकार वार्ता आज आई0एम0ए0 कानपुर शाखा द्वारा आयोजित एक सी0एम0ई0 प्रोग्राम के सम्बन्ध में थी। आई0एम0ए0 कानपुर के अध्यक्ष डा0 पंकज गुलाटी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा आये हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए इन बीमारियों की गम्भीरता के विषय में बताया तथा कार्यक्रम का संचालन डा0 रोहन कुमार, संयुक्त वैज्ञानिक सचिव, आई0एम0ए0 कानपुर ने किया। आज के वक्ताओं का परिचय डॉ गौरव दुबे, उपाध्यक्ष एवम इंचार्ज वैज्ञानिक सब कमिटी ने दिया तथा आज के विषय पर डॉ अर्चना भदौरिया, चेयरमैन साईंटिफिक कमेटी आईएमए कानपुर ने प्रकाश डाला ।

आज के कार्यक्रम के चेयरपर्सन डॉ राकेश वर्मा, प्रो. एवं विभागाध्यक्ष कार्डियोवैस्कुलर सर्जरी, एलपीएस इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी कानपुर एवं डॉ जयंत वर्मा, सीनियर कंसल्टेंट न्यूरो सर्जन, रीजेंसी हॉस्पिटल कानपुर थे।

नगर आयुक्त ने मार्गों पर प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिये

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी कानपुर नगर/अध्यक्ष नगर निगम कार्यसमिति एवं कानपुर नगर निगम के नगर आयुक्त श्री शिवशरणप्पा जी0एन0 द्वारा पर कानपुर महानगर में मार्ग प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ करने हेतु महानगर के प्रवेश द्वार भौंती से अर्मापुर आर्डिनेन्स फैक्ट्री होते हुये विजय नगर चौराहे तक, जहॉ कोई प्रकाश की व्यवस्था नहीं थी, पर पोल एवं एलईडी लाईट लगाने तत्काल कार्ययोजना बनाने हेतु निर्देश दिये गये थे। जिस पर मुख्य अभियन्ता मार्गप्रकाश द्वारा उक्त मार्ग का निरीक्षण करते हुए पोल एवं एलईडी लाइट लगाये की धनांक 90.00 लाख की कार्ययेाजना तैयार कर प्रस्तुत की गयी। इस पर जिलाधिकारी/अध्यक्ष नगर निगम कार्यसमिति ने तत्काल इस योजना को स्वीकृत कर कार्य प्रारम्भ करने के निर्देश दिये गये । इस सम्बन्ध में नगर आयुक्त ने कहा कि भौती से अर्मापुर आर्डिनेन्स फैक्ट्री होते हुए विजय नगर तक 206 पोलों व 206 लाइट का कार्य लगभग 10 दिन के पश्चात् प्रारम्भ हो जायेगा, जिसके उपरान्त रात्रि में इस मार्ग पर बिल्कुल भी अंधेरा नही रहेगा। चूँकि विजय नगर से अर्मापुर ईस्टेट चौराहे तक का भाग आर्डिनेन्स के अधीन है, इस कारण यहॉ पर लाइट हेतु काफी प्रयास के बाद अनुमति मिलने की सम्भावना के दृष्टिगत कार्ययोजना बनायी गयी है। अब शहर वासियों को आवागमन हेतु पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था मिल सकेगी। शीघ्र ही उक्त मार्गो पर दूधिया प्रकाश करने की प्रक्रिया प्रारम्भ की जायेगी।

शादी में फिजूलखर्ची से बचने का संकल्प लिया

बीपीएस न्यूज

कानपुर। हज़रत ख्वाजा सैय्यद दाता हसन सालार शाह (रह0अलै0) हसनी हुसैनी का 50वां सालाना उर्स मुबारक परम्परागत, सदभाव, भाईचारा अमन व हज़रत मोहम्मद मुस्तफा (स0अ0व0) की सुन्नतों पर अमल करने व मुल्क से मोहब्बत, इंसानियत को ज़िंदा रखने, अमन भाईचारे का संकल्प हाथ उठवाकर खानकाहे हुसैनी कर्नलगंज कानपुर उत्तर प्रदेश पर मनाया।

50वाँ उर्स की शुरुआत 03 मार्च बाद नमाज़ ए ईशा जशन ए ईद मिलादुन्नबी के साथ हुई जिसमें उलेमा ए दीन ने आका मौला हुज़ूर सरकार मोहम्मद मुस्तफा (स0अ0व0) की सुन्नतो पर अमल करने उर्स के दूसरे दिन 04 मार्च बाद नमाज़ ए मगरिब फातिहा अव्वल हज़रत अली करम अल्लाहु वज़हू हुई उसके बाद मज़ार का इत्र चंदन गुलाब से गुलपोशी कर गागर चादर पेशकर महफिल शमा (कव्वाली) हुई।

कुल शरीफ मे फज़िर की नमाज़ के बाद कुरानख्वानी का एहतिमाम किया गया सुबह 10 बजे कुल शरीफ की शुरुआत हुई शोरा ए कराम ने पैगम्बर ए इस्लाम की शान मे नात मनकबत के बाद उलेमा ए दीन ने इमाम हुसैन की विलालद की मुबारकबाद देते हुए हुज़ूर व इमाम हुसैन की शान का ज़िक्र किया व उलेमा ए दीन ने हज़रत ख्वाजा सैय्यद दाता हसन सालार शाह (रह0अलै0) के कुल मे मौजूद लोगो से हुजूर पाक के संदेश दहेज़ से दूर रहने व शादी पर फिजूल खर्च से बचने पर अमल करें, मुल्क से मोहब्बत करने दहशतगर्द के खात्मे, एकता भाईचारे के समर्थन मे हाथ उठाकर संकल्प लिया।उर्स मे खादिम खानकाहे

हुसैनी अफज़ाल अहमद, इखलाक अहमद चिश्ती, मुनीर अहमद कादरी, सैय्यद मोहम्मद तलहा, इस्लाम खान चिश्ती, अदनान खान, हाजी निज़ामुद्दीन, हाफिज़ हसीब अहमद, अयाज़ अहमद चिश्ती, तौफीक रेनू, फाज़िल चिश्ती, मोहम्मद आसिफ खान वसीम भूरे, हबीब आलम, अबरार अहमद वारसी, मोहम्मद मोहम्मद हफीज़, मोहम्मद मोहसिन, इखलाक अहमद चिश्ती, हाफिज़ फाज़िल खान, हाफिज़ मोहम्मद सादिक, इरफान अशरफी नूर आलम, एजाज़ रशीद आदि सैकड़ो लोग मौजूद थे।

कद्दू की करें खेती, मिलेगा भरपूर उत्पादन : डॉ आरबी सिंह

बीपीएस न्यूज कानपुर। सीएसए के सब्जी विज्ञान विभाग के अनुभागाध्यक्ष डॉक्टर आरबी सिंह ने किसानों हेतु कद्दू (काशीफल) की वैज्ञानिक खेती विषयक एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में कद्दू की खेती लगभग 217 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में की जाती है।और उत्पादन लगभग 2116 हजार मीट्रिक टन होता है। उन्होंने कहा की कुल सब्जी उत्पादन में कद्दू का महत्वपूर्ण योगदान है डॉ सिंह ने बताया कि अन्य सब्जियों की तुलना में कद्दू में कम कैलोरी तथा पाचक होने के कारण संतुलित आहार में योगदान है। डॉक्टर सिंह ने बताया कि 100 ग्राम कद्दू में ऊर्जा 26 कैलोरी, वसा 0.1 ग्राम, कार्बोहाइड्रेट 7 ग्राम,रेसा 0.5 ग्राम,प्रोटीन 1 ग्राम, सोडियम 1 ग्राम,पोटेशियम 340 मिलीग्राम इसके अतिरिक्त पर्याप्त मात्रा में वीटा केरोटीन, विटामिन्स एवं खनिज लवण पाए जाते हैं। उन्होंने बताया की कद्दू फसल की अच्छी वृद्धि एवं फल के लिए 18 से 30 डिग्री सेल्सियस तापमान की आवश्यकता होती है। उन्होंने किसानों को सलाह दी है की कद्दू फसल की बुआई के लिए मध्य फरवरी से मध्य मार्च का समय अति उत्तम होता है। तथा बीज दर 4 से 5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर होती है। डॉक्टर शुक्ला ने कद्दू की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में बताया कि आजाद कद्दू-1, पूसा विश्वास, अर्का चंदन, पूसा अलंकार, नरेंद्र उपकार,पूसा हाइब्रिड-1 उत्तम प्रजातियां हैं। उन्होंने खाद एवं उर्वरकों के बारे में सलाह दी है किसान भाई 15 से 20 टन सड़ी हुई गोबर की खाद बुवाई के पूर्व मिट्टी में मिला दे। बुवाई के समय 80 से 100 किलोग्राम नत्रजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस और 40 से 50 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर आवश्यकता होती है।

ट्रक की टक्कर से कार सवार तीन लोगों की मौत

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर। सजेती में तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मारते हुए सौ मीटर तक घसीट दिया। हादसे में कार सवार दो लोगो की मौके पर मौत हो गई वही तीसरे की इलाज के दौरान हैलट अस्पताल में मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक छोड़कर चालक भाग निकला। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना देकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

कन्नौज जिले के तिर्वा निवासी नरेंद्र कुमार एमसीएल गैस कम्पनी के एचआर के पद पर कार्यरत थे, रविवार दोपहर जी एमपी ओ कंपनी के मालिक अनिल कुमार व सी ईओ उमेश कुमार के साथ तिर्वा से सजेती स्थित एक इंटर कॉलेज में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे,जैसे ही कार कानपुर-सागर हाइवे पर सजेती थाना क्षेत्र के कुरसेड़ा मोड़ के पास पहुंची तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मारते हुए लगभग सौ मीटर तक घसीट दिया। हादसे में कार सवार नरेंद्र कुमार व अनिल कुमार की मौके पर मौत हो गई, वहीं उमेश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक चालक छोड़कर मौके से भाग निकला। रहगीरो ने घटना की सूचना फोनकर पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पीएनसी की एंबुलेंस के द्वारा घायल को घाटमपुर सीएचसी लाया गया जहां से उसे प्राथमिक उपचार कर गंभीर हालत में कानपुर के हैलट रिफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान उमेश की मौत हो गई। सजेती थानाध्यक्ष पवन कुमार ने बताया कि हादसे में कार सवार तीन लोगो की मौत हुई है, परिजनों को सूचना देने के साथ शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। ट्रक को कब्जे में लिया है। तहरीर के आधार पर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

पुरानी रंजिश को लेकर दबंगों ने युवक पर किया जानलेवा हमला

बीपीएस न्यूज

कानपुर। रविवार सुबह शहर के महाराजपुर थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर दंबग पड़ोसियों ने एक युवक पर धारदार हथियार से हमला कर उसे गंभीर घायल कर दिया। जानकारी लगते ही परिजन युवक को सरसौल स्थित सीएचसी लेकर पहुंचे। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले को जांच में लिया है। मामला महाराजपुर थाना क्षेत्र के सरसौल कस्बा का है।

मैथानी ने रेलवे लाइन के दादा नगर पुल का निरीक्षण किया

बीपीएस न्यूज

कानपुर। गोविंद नगर विधानसभा के विधायक मैथानी ने अपने क्षेत्र अंतर्गत,विगत लगभग दादा नगर, फायर बिग्रेड के आगे बने हुए रेलवे लाइन के ऊपर, पुराने दादा नगर पुल का निरीक्षण कर, संबंधित रेलवे के अधिकारियों को निर्देशित करने का परिणाम देखने के लिए, निरीक्षण किया।उक्त पुल के दोनों तरफ, मोटरसाइकिल और साइकिल से चलने वालों के लिए और पैदल हेतु भी,अतिरिक्त मार्ग लगभग बनकर तैयार करा लिया है।जो कमियां हैं उनको भी 10 से 15 दिन के अंदर पूर्ण करा लिया जाएगा।विधायक ने रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर विद्या प्रसाद को निर्देशित किया कि, रेलवे के पार्ट के ऊपर, बने हुए पुल की सड़क पर जो गड्ढे हैं उनको भी भरना है और पूरे पुल को रंग रोगन पेंट आदि करके,अविलम्ब 15 दिन के अंदर कार्य को फोन करके जनता के लिए खोल देना है । निरंतर रोज नियमित उसकी कार्य प्रगति, गुणवत्तापूर्ण हो,इसको, अपनी निगरानी में देख रहे हैं, लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं उक्त आज मॉनिटरिंग कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विधायक सुरेंद्र मैथानी के साथ अक्षय त्रिवेदी और अनुराग त्रिपाठी एवंरेलवे के अधिकारी कर्मचारियों में प्रमुख रूप से शिवराज सिंह, अभिषेक शर्मा, अतुल सोनी सहायक ब्रिज एनसीआर सीएनबी आदि लोग मौजूद रहे।

बलवा ट्रेनिंग का कराया अभ्यास

कानपुर। पुलिस आयुक्त श्री बी.पी .जोगदण्ड के निर्देश पर आगामी त्योहारों होली व शब-ए-बारात के मद्देनजर पुलिस लाइन में बलवा ट्रेनिंग का अभ्यास कराया गया जिसमे सभी थानों से आए का0 व हे0का0 ने एंटीरायट गन, टियर स्मॉग गन, पम्प एक्शन गन आदि पर प्रशिक्षण लेकर हर विपरीत परिस्थिति से निपटने के लिए खुद को दक्ष किया।

1 अप्रैल से बिना हॉलमार्क वाले सोने के आभूषणों की नहीं होगी बिक्री

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सरकार ने शुक्रवार को घोषणा की कि छह अंकों के अल्फान्यूमेरिक एचयूआईडी के बिना सोने के आभूषण और अन्य हॉलमार्क वाली वस्तुओं की बिक्री की अनुमति नहीं दी जायेगी वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में शुक्रवार को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के काम की समीक्षा के लिए हुई बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया। हॉलमार्क सर्टिफिकेट से सोने को शुद्ध माना जाता है। 16 जून, 2021 तक, यह विशुद्ध रूप से स्वैच्छिक था। उसके बाद, सरकार ने धीरे-धीरे आवश्यक गोल्ड हॉलमार्किंग शुरू करने का निर्णय लिया। इसे पहले चरण में 256 जिलों में अनिवार्य कर दिया गया था, और दूसरे चरण में 32 अतिरिक्त जिले जोड़े गए, जिससे कुल 288 जिले बन गए। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा, 1 अप्रैल 2023 से केवल एचयूआईडी वाले सोने के आभूषणों की बिक्री की अनुमति होगी। गोयल ने बीआईएस को भारत में उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा बढ़ाने के लिए कुछ कदम उठाने का भी निर्देश दिया। हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि भारत में सभी उत्पाद उच्चतम गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को पूरा करते हैं। ये उपाय सूक्ष्म पैमाने की इकाइयों को बढ़ावा देंगे, परीक्षण बुनियादी ढांचे को बढ़ाएंगे और नागरिकों के बीच गुणवत्ता जागरूकता की संस्कृति विकसित करेंगे। उपभोक्ता मामलों के विभाग में अतिरिक्त सचिव निधि खरे ने कहा कि उपभोक्ताओं के हित में, यह निर्णय लिया गया था कि 31 मार्च के बाद, बिना एचयूआईडी के हॉलमार्क वाले सोने के आभूषणों और सोने की कलाकृतियों की बिक्री की अनुमति नहीं दी जाएगी। उसने कहा कि वर्तमान में चार और छह अंकों वाले दोनों एचयूआईडी उपयोग में हैं।उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता वाले सामानों की उपभोक्ता मांग के कारण, हॉलमार्क वाले सोने के आभूषण पूरे देश में बेचे जाते हैं, यहां तक कि उन क्षेत्रों में भी जहां इसकी अभी आवश्यकता नहीं है।

हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर एक छह अंकों का अल्फान्यूमेरिक कोड है जिसमें संख्याएँ और अक्षर होते हैं।ज्वेलरी के प्रत्येक आइटम को हॉलमार्किंग के समय एक एचयूआईडी प्राप्त होगा, और हर एक अलग है। एसेइंग एंड हॉलमार्किंग सेंटर (एएचसी) व्यक्तिगत रूप से एक विशिष्ट संख्या के साथ आभूषणों पर मुहर लगाता है। पीयूष गोयल ने बैठक में बीआईएस को देश में परीक्षण बुनियादी ढांचे को बढ़ाने का निर्देश दिया। उपभोक्ता सुरक्षा के लिए उपयोग किए जाने वाले घटकों के महत्व के अनुसार, बीआईएस को उत्पाद परीक्षण और बाजार निगरानी की आवृत्ति में सुधार करने का निर्देश दिया गया था। इसके अलावा, बीआईएस को प्रयोगशाला निरीक्षण अधिक बार करने की आवश्यकता है।

श्याम लाल गुप्ता का मनाया 23वाँ निर्वाण दिवस

कानपुर। समाजवादी पार्टी ग्रामीण कर्यालय नवीन मार्केट में रविवार को लोकतान्त्रिक सेनानी एवं समाजवादी पार्टी के प्रथम पूर्व नगर अध्यक्ष श्याम लाल गुप्ता के 23वें निर्वाण दिवस के मौके पर कानपुर ग्रामीण निवर्तमान जिलाध्यक्ष राघवेंद्र सिंह के नेतृत्व में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनके आदर्शो पर चलने का संकल्प लिया गया।निवर्तमान जिलाध्यक्ष ने बताया कि श्याम लाल गुप्ता दैनिक मजदूरों, अल्पसंख्यक अन्य वेतनभोगियों एवं छोटे किसानों के समर्थक रहे। वह राष्ट्रीय नीति को बदलने और लघु सिंचाई द्वारा कृषि उत्पादन बढ़ाने के प्रबल समर्थक थे। उनकी मान्यता थी कि देश के गांवों में बसने वाले करोड़ो लोगों के जीवन में खुशियां लघु कुटीर उद्योगों को लगाकर ही लाई जा सकती है अर्थात गांव में रोजगार के अवसर बढ़ाने होंगे तभी देश की उन्नति हो सकती है। गुप्ताजी का जीवन स्तर सादगी भरा रहा उन्होंने गांव और गरीब के लिए हमेशा संघर्ष किया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजवादियों ने अपने विचार रखे और उनके पुत्र नितिन गुप्ता द्वारा कार्यक्रम में आये सभी का आभार व्यक्त किया गया। इस मौके पर के के शुक्ला, सोमेन्द्र शर्मा, धर्मेन्द्र यादव,सुरेश गुप्ता, नरेंद्र सिंह यादव,मुर्तजा भाई,इम्तियाज रसूल, अमर सिंह,नितिन गुप्ता,मो. असलम,गुलई गुप्ता,सन्तोष यादव,डा रमेश कुशवाह,राहुल चौरसिया, दीपक बाथम, राजीव अवस्थी आदि के साथ सैकड़ों की संख्या में समाजवादी नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हमारे देश में अनूठी है कानपुर की होली और हटिया का गंगा मेला

धार्मिक और एतिहासिक परम्परा का बोध कराती है कानपुर की होली,पुलिस बैण्ड द्वारा राष्ट्रधुन बनाजे के उपरानत कानपुर के जिलाधिकारी व पुलिस कमिश्नर रज्जन बाबू पार्क से करेगे रंग ठेले का शुभारम्भ

बीपीएस न्यूज-कानपुर। यूं तो पूरे भारत वर्ष में होली का पर्व बडे ही उत्साह और धूम-धाम के साथ मनाया जाता है लेकिन उत्तर प्रदेश के कानपुर नगर की होली, अपनी ही अनूठी एवं महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाओं के लिए पूरे देश में अपना विशेष महत्व रखती है। यह बात कानपुर हटिया होली महोत्सव कमेटी के पदाधिकारियों ने कही।

कानपुर की होली में भी हटिया की होली का विशेष महत्व है या यूं कहे कि पूरी होली की परम्परा और गंगा मेंला हटिया के परम्परागत तरीके से पूरे शहर में मनाया जाता हैं आगामी 6 मार्च सोमवारी को होली है और होली मे आग लगने के साथ ही कानपुर में आनन्द का उत्सव शुरू हो जाता है तो कानपुर कीक हटिया होली, गंगा मेला तक जारी रहता है।कानपुर हटिया होली महोत्सव कमेटी के पदाधिकारियों में ज्ञानू विश्नोई ने बताया कि इस बार 82वां होली का मेला दिनांक 13 मार्च, दिन सोमवार को अनुराधा नक्षत्र में प्राचीन परम्परा के अनुसार होगा। उन्होने बताया कि कानपुर का यह गंगा मेला आजादी के दीवानों की याद में मनाया जाता है। पूर्व में सन् 1942 में ब्रिटिश सरकार के तत्कालीन जिलाधिकारी ने कानपुर में होली खेलने पर प्रतिबन्ध लगा दिया था, तब हटिया के युवकों ने यह तय किया था कि यह हमारा धार्मिक त्यौहार है और हम इसे पूर्व उल्लास से मनायेंगे। हटिया के रज्जन बाबू पार्क में क्षेत्रीय नवयुवक बाबू गुलाब चन्द सेठ के नेतृत्व में एकत्र हुए और तिरंगा फहराकर भारत माता की जयघोश के साथ रंग खेलना प्रारम्भ किया लेकिन हटिया पार्क को चारो तरफ से अंग्रेजी प्रशासन ने घेर लिया और नव युवकों को जेल में डाल दिया। इसकी प्रतिक्रिया में पूरे नगर में जमकर होली खेली गयी और ऐलान किया गया कि जब तक युवक नही छोडे जायेगे निरन्त होली खेली जायेगी। इस लिए आज भी यहां सात दिन बराबर रंग खेला जाता है। अनुराधा नक्षत्र के दिन ब्रिटिश सरकार को झुकना पडा और बंदी युवको को रिहा किया गया, तभी से कानपुर में होली समापन अनुराधा नक्षत्र के दिन गंगा मेले के रूप में मनाया जाने लगा।होली मेले का जिलाधिकारी कानपुर व पुलिस कमीशनर तिरंगा फहराकर करेंगे शुभारम्भ होली के गंगा मेला यानि 13 मार्च को पौने दस बजे क्रान्तिकायिों के शिलालेख में पुष्पांजलि करके कानपुर के जिलाधिकारी तथा पुलिस कमीशन तिरंगा झण्डा फहराकर परंपरा की शुरूआत करेगे साथ ही पुलिस बैण्ड द्वारा राष्ट्रीय धुन बजाई जाती है। उसके बाद ठेके का शुभारम्भ हटिया रज्जन बाबू पाक से होगा। इसे रंगों को ठेला भी कहते है जो रज्जन बाबू पार्क से होकर जनरलगंज बाजार, मनराम बगिया, मेस्टर रोड, चौक, टोली बाजार, कोतवालेश्वर मंदिर चौक, चौक सर्राफा, बीच वाला मन्दिर, होते हुए कोतवाली चौराहा, संगमलाल मंदिर, कमलाटावर, फीलखाना, बिरहाना रोड, नया गंज, शतरंगी मोहाल, लाठी मोहाल व जनरलगंज बाजार से होते हुए वापस हटिया के रज्जन बाबू पार्क पर पूर्व विश्राम लेगा।

विधान सभा की कार्यवाही देखने पहुंचे कानपुर के युवा व देहदान अभियान प्रमुख

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बुधवार को दोपहर कानपुर के युवा वर्ग के अनिल राय व युग देहदान अभियान प्रमुख व एंटी करप्शन फाउंडेशन आफ इंडिया के संरक्षक मनोज सेंगर के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विधान सभा की कार्यवाही देखने पहुंचे। जहां सभी ने सदन की कार्यवाही देखने के साथ ही माननीय विधान सभा अध्यक्ष महोदय का मार्गदर्शन प्राप्त किया।सतीश महाना जी ने अपने कार्यालय में सभी से उनकी कुशलता पूछी अपने सामने सभी को स्वल्पाहार करा कर युवाओं को राष्ट्रहित में अपनी ऊर्जा लगाने का संदेश दिया।

उन्होंने कहा आज का युवा ही हमारे एवम मोदी जी तथा आदरणीय योगी के सपनों को साकार करेगा इस लिए अपना समय एवम श्रम का एक अंश नियमित रूप से देश के लिए अर्पण करें।

आदरणीय विधान सभा अध्यक्ष महोदय ने बाद में सभी को आग्रह पूर्वक भोजन करा कर स्नेह सहित विदा किया।

इस अवसर पर एंटी करप्शन फाउंडेशन आफ इंडिया के संरक्षक व युग देहदान अभियान प्रमुख मनोज सेंगर ने कहा कि आदरणीय सतीश महाना जी का यही स्नेह हम सब को एक सूत्र में बांधे हुए है । इसी कारण उन्हें जनता का हृदय सम्राट कहा जाता है। युवा नेता अनिल राय ने कहा कि माननीय विधान सभा अध्यक्ष महोदय से मिले प्रेम और सदभाव से सभी युवा अति प्रसन्न हैं और समाज के प्रति समर्पण की उनकी भावना और प्रबल हुई है।

इस अवसर पर विधान सभा भवन मे स्वतंत्र देव सिह से भी कानपुर टीम ने मुलाकात किया।

इस प्रतिनिधि मंडल में अनिल राय, मनोज सेंगर के साथ गोविंद शुक्ला, प्रतीक गुप्ता, जीतू विश्वकर्मा, अंकित वर्मा, अमित कनौजिया,अमित दुआ प्रमुख रूप से रहे।

होली आने की सूचना देता होलाष्टक

फाल्गुन माह की शुक्ल अष्टमी से इसी माह की पूर्णिमा तक होलाष्ट?क का समय माना जाता है, जिसमें शुभ कार्य वर्जित रहते हैं। होलाष्टक का लगना होली के आने की सूचना है। होलाष्टक में आने वाले आठ दिनों का विशेष महत्व होता है। इन आठ दिनों के दौरान पर विवाह, गृहप्रवेश या नई दुकान खोलना इत्यादि जैसे शुभ कार्यों को नहीं किया जाता है। फाल्गुन मास की पूर्णिमा को होलिका पर्व मनाया जाता है। इसके साथ ही होलाष्टक की समाप्ति होती है। होलाष्टक का आरंभ 27 फरवरी, 2023 को सोमवार के दिन से होगा। होलाष्टक समाप्त 7 मार्च को मंगलवार के दिन होगा। होलाष्टक का समापन होलिका दहन पर होता है। रंग और गुलाल के साथ इस पर्व का समापन हो जाता है। होली के त्योहार की शुरुआत होलाष्टक से होती है जो धुलैण्डी तक पहुंचती है। इस दिन से होलिका दहन की तैयारियां भी शुरू हो जाती हैं। होलाष्टक के समय शुभ कार्यों एवं सोलह संस्कारों में से किसी भी संस्कार को नहीं किये जाने का विधान बताया जाता है। मान्यता है कि इस दिन अगर अंतिम संस्कार भी करना हो तो उसके लिए पहले शान्ति कार्य किया जाता है। उसके उपरांत ही बाकी के काम होते हैं।

होलाष्टक की अवधि को साधना के कार्य अथवा भक्ति के लिए उपयुक्त माना गया है। इस समय पर केवल तप करना ही अच्छा कहा जाता है। ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए किया गया धर्म-कर्म अत्यंत शुभदायी होता है। इस समय पर दान और स्नान की भी परंपरा रही है।

पौराणिक कथाओं के मुताबिक, दैत्यों के राजा हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र प्रह्लाद को भगवान श्रीविष्णु की भक्ति न करने को कहा। लेकिन प्रह्लाद अपने पिता की बात को नहीं मानते हुए श्रीविष्णु भगवान की भक्ति करता रहा। इस कारण पुत्र से नाराज होकर राजा हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को कई प्रकार से यातनाएं दीं। प्रह्लाद को फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी से लेकर पूर्णिमा तिथि तक बहुत प्रकार से परेशान किया। उसे मृत्यु तुल्य कष्ट प्रदान किया। प्रह्लाद की भक्ति में इतनी शक्ति थी कि भगवान श्रीविष्णु ने हर बार उसके प्राणों की रक्षा की। आठवें दिन यानी कि फाल्गुन पूर्णिमा के दिन हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को मारने के लिए अपनी बहन होलिका को जिम्मा सौंपा। इस कारण से होलिका दहन से पहले के आठ दिनों को होलाष्टक कहा जाता हैं और शुभ समय नहीं माना जाता। होलाष्टक के समय पर जो मुख्य कार्य किए जाते हैं। उनमें से मुख्य हैं होलिका दहन के लिए लकड़ियों को इकट्ठा करना। होलिका पूजन करने के लिये स्थान का चयन करना जहां होलिका दहन किया जा सके। होली से आठ दिन पहले होलिका दहन वाले स्थान को शुद्ध किया जाता है। इन काम को शुरू करने का दिन ही होलाष्टक प्रारम्भ का दिन भी कहा जाता है।

इन दिनों में सामर्थ्य अनुसार वस्त्र, अन्न, धन इत्यादि का दान किया जाना अनुकूल फल देने वाला होता है। इस दिन से मौसम की छटा में बदलाव आना आरम्भ हो जाता है। सर्दियां अलविदा कहने लगती हैं और गर्मियों का आगमन होने लगता है। होलाष्टक के विषय में यह माना जाता है कि जब भगवान श्रीभोलेनाथ ने क्रोध में आकर कामदेव को भस्म कर दिया था तो उस दिन से होलाष्टक की शुरुआत हुई थी। इस दिन भगवान श्रीविष्णु का पूजन किया जाता है। होलाष्टक की एक कथा हिरण्यकश्यप और प्रह्लाद से संबंध रखती है। होलाष्टक इन्हीं आठ दिनों की एक लम्बी आध्यात्मिक क्रिया का केन्द्र बनता है जो साधक को ज्ञान की पराकाष्ठा तक पहुंचाती है।

मार्च के महीने में हैं व्रत और त्योहारों की भरमार

धार्मिक दृष्टि के लिहाज से मार्च का महीना काफी अहम होने वाला है। जहां मार्च में एक ओर होली का पर्व है तो इसी महीने नवरात्रि, रामनवमी, गणगौर और गुड़ी पड़वा जैसे त्योहार हैं। वहीं दूसरी ओर इसी महीने से मुस्लिम के पाक महीने यानि की रमजान की भी शुरूआत होगी।

होलिका दहन-इस वर्ष 7 मार्च को होलिका दहन किया जाएगा। वहीं होलिका दहन के अगले दिन 8 मार्च को रंग खेला जाएगा। बता दें कि फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को होली का त्योहार मनाया जाता है। मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भगवान विष्णु के अनन्य भक्त प्रहलाद को होलिका ने जलाने की कोशिश की थी।

शब-ए-बारात-मार्च का महीना मुस्लिमों के लिए भी बेहद अहम है। क्योंकि 8 मार्च को मुस्लिमों का प्रमुख त?योहार शब-ए-बारात भी है। इस दिन सभी मुस्लिम अल्लाह की इबादत कर दुआ मांगते हैं। इसके अलावा वह अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं।

श्रीरंग पंचमी-चैत्र मास की कृष्ण पक्ष की पंचमी को रंग खेला जाता है। इस बार 12 मार्च को चैत्र मास की कृष्ण पक्ष की पंचमी को होली खेली जाएगी। बता दें कि रंगपंचमी को देव पंचमी भी कहते हैं। क्योंकि इस दिन देवी-देवता भी रंगोत्सव मनाते हैं। मान्यता के अनुसार, इस दिन रंगोत्सव से तमोगुण का नाश होने से जीवन में सुख और आनंद की वृद्धि होती है।

मासिक शिवरात्रि-हर महीने एक शिवरात्रि आती है। जिसे मासिक शिवरात्रि कहा जाता है। बता दें कि हर महीने की चतुर्दशी तिथि को मासिक शिवरात्रि मनाई जाती है। इस बार यह तिथि 20 मार्च को है। परिवार की सुख-शांति के साथ संतान को क?टों से दूर रखने के लिए मासिक शिवरात्रि का व्रत किया जाता है।

चैत्र अमावस्या-चैत्र अमावस्या को भौमवती अमावस्या भी कहा जाता है। इस बार भौमवति अमावस्या 21 मार्च को पड़ रही है। चैत्र मास की अमावस?या तिथि को पितरों के निमित्त दान-पुण्य किया जाता है। कहा जाता है कि इस दिन दान-पुण्य करने से पित्र देव प्रसन्न होते हैं।

चैत्र नवरात्रि-हिंदू नववर्ष का आरंभ चैत्र मास की प्रतिपदा से माना जाता है। वहीं इस प्रतिपदा से ही चैत्र के नवरात्रि का आरंभ होता है। इस बार 22 मार्च से चैत्र नवरात्रि पड़ रहे हैं। इसके अलावा इस दिन महाराष्ट्र में धूमधाम से गुड़ी पड़वा का प्रमुख त्योहार मनाया जाता है।

रमजान-मुस्लिमों के पाक महीने यानि की रमजान की शुरूआत 24 मार्च से हो रही है। इस पाक महीने में एक महीने रोज रखा जाता है। रोजा खोलने के बाद वह लोग ईद का त्योहार मनाते हैं। पाक महीने में रोजा रखने के दौरान मुस्लिम समुदाय के लोग सूर्योदय के बाद और सूर्यास्त से पहले खाना-पानी नहीं खाते हैं।

दुर्गाष्टमी-चैत्र नवरात्र की अ?टमी तिथि को दुर्गाष्टमी और महाअष्टमी भी कहा जाता है। बता दें कि इस साल 29 मार्च को दुर्गाष्टमी है। नवरात्रि में व्रत रखने वाले लोग अष्टमी के दिन कन्याओं को माता स्वरूप मानकर भोजन करवाते हैं और उन्हें दान देते हैं।

रामनवमी-चैत्र नवरात्र की नवमी को भगवान राम का जन्म हुआ था। पूरे देश में रामनवमी पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। इस बार रामनवमी 30 मार्च को है। भगवान राम के जन्म के उपलक्ष्य में कई कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। साथ ही इस दिन पूरे विधि-विधान से भगवान राम की पूजा-अर्चना की जाती है। वहीं रामनवमी पर बड़ी संख्या में लोग अयोध्या के सरयू नदी में स्नान करते हैं।

प्रायोगिक साधना के साधक स्वामी रामकृष्ण

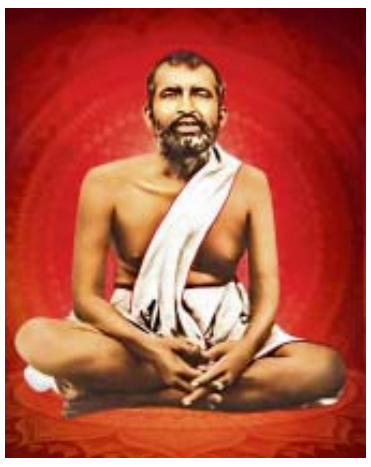

सहज, सरल, उदारमना योगी, साधक, धर्मप्रवर्तक एवं सिद्धपुरुष स्वामी रामकृष्ण परमहंस अपने संबंध में कभी कुछ नहीं बताते थे। दरअसल, आत्मप्रचार को आत्मवंचना मानकर उन्होंने प्राय: जीवनभर उससे दूरी बनाये रखी। जाहिर है कि यदि उनके शिष्यों स्वामी केशवचंद्र सेन और स्वामी विवेकानंद ने अपने गुरु की शिक्षाओं एवं जीवन-दर्शन का प्रचार-प्रसार नहीं किया होता तो आज हम स्वामी रामकृष्ण परमहंस को जितना और जिस रूप में जानते हैं, शायद कभी नहीं जान पाते। वैसे आध्यात्मिक जगत?में प्राय: शिष्यों द्वारा ही गुरुओं के ज्ञान का प्रचार-प्रसार करने की परंपरा रही है। यही कारण है कि संत रविदास एवं संत कबीरदास ने अपने गुरु संत रामानंद की शिक्षाओं एवं संत माधवदेव ने संत शंकरदेव के ज्ञान और जीवन-दर्शन का प्रचार-प्रसार किया। ऐसे ही भंते आनंद ने महात्मा बुद्ध की, आनंदानंद स्वामी ने अपने गुरु भगवान स्वामीनारायण की, संत मीराबाई ने अपने गुरु संत रविदास की शिक्षाओं एवं जीवन-दर्शन का प्रचार-प्रसार किया।

स्वामी रामकृष्ण परमहंस ने तप, साधना, मानव-सेवा एवं जीव-कल्याण के माध्यम से भक्ति के नये शिखर गढ़े और वे निर्वाण को प्राप्त हुए। स्वामी जी का जीवन त्याग, सेवा, साधना और समन्वय का प्रतीक था। माता काली के अनन्य भक्त होने के साथ-साथ उन्होंने आस्था एवं भक्ति के क्षेत्र में प्रयोग और समन्वय को प्रतिष्ठापित कर जगत?में साकार भक्ति का एक नया प्रतिमान स्थापित किया। वे बच्चों में बच्चा, पंडितों में महापंडित, ज्ञानियों में महाज्ञानी और साधकों में सबसे बड़े साधक बन जाते थे। उनकी व्यक्तित्व की ऊंचाई को प्राप्त कर पाना किसी के वश की बात नहीं थी।

भारतीय सनातन परंपरा के महान संत स्वामी रामकृष्ण परमहंस की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि एक पूर्ण योगी की भांति उनका जीवन और व्यक्तित्व सदा ही पूर्णत: रहस्यमय बना रहा। जिस प्रकार संत कबीरदास की दिव्य धुन, संत रविदास की अद्भुत भक्ति और संत मीराबाई की अनन्य लगन को समझ पाना किसी सामान्य व्यक्ति तो छोड़िये पंडित और मनोवैज्ञानिक के वश की बात भी नहीं थी, ठीक वैसे ही स्वामी रामकृष्ण परमहंस के व्यक्तित्व की रहस्यमयता को पांडित्य बुद्धि अथवा मनोवैज्ञानिक ज्ञान से समझ पाना बिल्कुल भी संभव नहीं था।

कहते हैं कि स्वामी जी के व्यक्तित्व की तरलता, सरलता, पवित्रता, बाल-सुलभ भोलापन, निश्छलता, नि:स्वार्थता, त्याग और प्रेम की प्रगाढ़ता से आगंतुक इतना अभिभूत हो जाते थे कि वे अपना सारा ज्ञान-मनोविज्ञान और चतुराई भूलकर उनके पैरों पर गिर पड़ते थे। उल्लेख है कि गूढ़तम और गहनतम?दार्शनिक प्रश्नों के उश्त्तर भी स्वामी जी इस प्रकार सहजता, सरलता, निश्छलता और पांडित्यविहीनता पूर्वक देते थे कि प्रश्नकर्ता अभीप्सु तत्काल ही उनसे पूर्ण संतुष्ट हो जाते थे। इसीलिए दुनियाभर के तमाम पढ़े-लिखे गुणी, विद्वान और महानतम?लोग भी जब स्वामी जी के दक्षिणेश्वर स्थित मंदिर में आते तो अपना सारा ज्ञान-मनोविज्ञान, विज्ञान, बुद्धि, विवेक और चतुराई त्यागकर मन-ही-मन वहां के निरक्षर संत स्वामी रामकृष्ण परमहंस का शिष्यत्व स्वीकार कर लेते थे।

स्वामी जी पूर्ण साधक थे। उन्हें अपनी पत्नी सारदा मणि में भी मां जगदम्बा के ही दर्शन होते थे। इसीलिए वे उन्हें भी 'मां' कहकर ही संबोधित करते थे।

श्रीकृष्ण की लीलाओं को याद करने का उत्सव

यूं तो सम्पूर्ण भारत में बड़े उत्साह, धूमधाम व समारोहपूर्वक अच्छाई की जीत का प्रतीक पर्व होली का त्योहार मनाया जाता है, परन्तु उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के नंदगांव (नन्दगांव) और बरसाना कस्बों में होली का यह त्योहार पृथक रूप से और अजीबोगरीब प्रकार से मनाया जाता है, जिसे लठमार अर्थात?लट्ठमार (लठामार) होली की संज्ञा से अभिहित किया गया है।लठमार होली उत्सव का एक रूप है, जिसमें लोग लाठी के साथ एक-दूसरे को मारते हैं। बरसाना की लठमार होली सर्वाधिक प्रसिद्ध है। होली का प्रसंग छिड़ते ही मन में बरबस ब्रज का नाम आ जाता है। होली सप्ताह आरम्भ होते ही सबसे पहले ब्रज रंगों में डूब जाता है। होलिकोत्सव के लिए अत्यंत लोकप्रिय नंदगांव और बरसाना की लट्ठमार होली फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लासपूर्वक मनाई जाती है। इस विशेष अवसर पर कई मंदिरों में पूजा करने के बाद नंदगांव के पुरुष बरसाना होली खेलने जाते हैं और बरसाना की महिलाएं नन्दगांव होली खेलने आती हैं। होली की टोलियों में नन्दगांव (नंदगांव) के पुरुष होने का कारण यह है कि श्रीकृष्ण नंदगांव के ही थे और बरसाने की महिलाएं क्योंकि राधा बरसाने की थीं। राधा की जन्मस्थली बरसाना में यह होली शेष भारत में खेली जाने वाली होली से कुछ दिनों पहले ही शुरू हो जाती है। इस दिन लठ महिलाओं के हाथ में रहता है और नन्दगांव के पुरुष अर्थात?गोप राधा के मन्दिर लाडली जी पर झंडा फहराने की कोशिश करते हुए महिलाओं के लट्ठ से बचने की कोशिश करते हैं। मान्यता है कि इस दिन सभी महिलाओं में राधा की आत्मा बसती है और पुरुष भी हंस-हंस कर लाठियां खाते हैं। आपसी वार्तालाप के लिए श्रीकृष्ण और राधा के बीच वार्तालाप पर आधारित होरी गाई जाती है। यह होली उत्सव क़रीब सात दिनों तक चलता है। वृन्दावन की होली भी उल्लास भरी होली होती हैं, जहां बांके बिहारी मंदिर की होली और गुलाल कुंद की होली बहुत महत्वपूर्ण है।मान्यता है कि ब्रज में स्वयं भगवान ने होलिकोत्सव मनाया था। यही कारण है कि देश-विदेश से लोग ब्रज की गलियों में खेली जाने वाली इस पृथक प्रकार की होली के दर्शन के लिए आते हैं। मान्यता है कि ऐसा करके भगवान श्रीकृष्ण द्वारा द्वापर युग में की जाने वाली लीलाओं की पुनरावृत्ति की जा रही है। इस विशेष प्रकार की होली की शुरुआत ब्रज के बरसाना गांव से हुई थी। विगत साढ़े पांच हजार से भी अधिक वर्षों से मनाया जाने वाला यह वार्षिक आयोजन आज भी उत्साहपूर्वक मनाया जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार नंदगांव निवासी भगवान श्रीकृष्ण होली के समय राधा के निवास स्थल बरसाना गए थे।गोपियों के साथ मित्रता के लिए भी प्रसिद्ध श्रीकृष्ण द्वारा बरसाना प्रवास के इस दिन राधा के चेहरे पर रंग लगा दिए जाने से क्षुब्ध राधा की सखियां और वहां की महिलाओं ने श्रीकृष्ण को बंदी बना लिया और उन पर बांस और डंडे की बौछार कर उन्हें बरसाना से निकाल दिया था। होली के अवसर पर प्रतिवर्ष भगवान श्रीकृष्ण के जीवन की इस घटना के स्मरण स्वरूप फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनोरंजन के रूप में लठमार होली मनाई जाती है। प्रतिवर्ष नंदगांव के पुरुष बरसाना शहर में जाते हैं और वहां की महिलाएं उनको उसी तरह लाठी और रंगों से खेलते हुए बाहर निकालती हैं।लठमार होली से सम्बन्धित एक अन्य पौराणिक कथा के अनुसार श्रीकृष्ण और उनके साथियों द्वारा स्नान घाट से कपड़ा चुरा लिए जाने से क्षुब्ध, गुस्साई और क्रोधित राधा, श्रीकृष्ण व उनके साथियों को सबक सिखाने के लिए अपनी सखियों संग नन्दगांव जाती हैं।फाल्गुन शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के पलों का स्मरण रखने के लिए नंदगांव के पुरुष, ग्वाल-बाल विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना के पश्चात? होली खेलने बरसाना जाते हैं, जहां महिलाएं उन्हें लाठी से मार गांव से बाहर निकाल देती हैं। इन पुरुषों को हुरियारे (होरियारे) कहा जाता है। एक सप्ताह तक चलने वाली बरसाने की इस होली में पुरुष और महिलाएं रंगों, गीतों, नृत्यों और लठमार खेल में लिप्त होते हैं। नंदगांव से बरसाना आने वाले पुरुष गाने गाकर महिलाओं को और उकसाते हैं। महिलाएं गोपियों का काम करती हैं और मस्ती की धुन में पुरुषों पर लाठी बरसाती हैं। बरसाना की महिलाओं के हाथों लाठी खाने वाले पुरुषों को महिलाओं के कपड़े पहनना और सार्वजनिक रूप से नृत्य करना होता है। इस लठमार होली में चोट लगने से बचने के लिए पुरुष सुरक्षात्मक कवच पहने हुए आते हैं। इस लठमार होली में रंग सभी लोगों के उत्साह को और बढ़ाता है। इस खेल में शामिल होने वाले लोग श्रीकृष्ण और उनकी राधा को श्रीकृष्ण और श्रीराधे बोलते हुए स्मरण करते हैं। बरसाना की होली के बाद अगले दिन दशमी को बरसाना की महिलाएं नंदगांव आती हैं और यह उत्सव जारी रहता है। इस वर्ष लठमार होली 1 मार्च को बरसाना में और 2 मार्च, 2023 को नंदगांव में होगी। श्रीकृष्ण भूमि मथुरा में लठमार होली मनाई जाती है।

उल्लेखनीय है कि लठमार होली का यह उत्सव बरसाना में राधा को समर्पित एकमात्र मन्दिर राधा रानी मंदिर में होता है। एक सप्ताह तक वृंदावन बांके बिहारी मंदिर में जारी रहने वाले इस विशेष त्योहार में फूलों से बने रंग और गुलाल का इस्तेमाल किया जाता है। इस पवित्र त्योहार पर बिहारीजी की मूर्ति को सफेद कपड़े पहने भक्तों द्वारा होली खेलने के लिए लाया जाता है। इसके बाद लोग पानी और रंगों के इस खेल में खो जाते हैं और संगीत के साथ नृत्य करते हैं। लोक व पौराणिक मान्यतानुसार ब्रज की विशेष मस्ती भरी होली होने का कारण यह है कि इसे श्रीकृष्ण और राधा के प्रेम से जोड़ कर देखा जाता है। मान्यता है कि श्रीकृष्ण अपने सखाओं के साथ इसी प्रकार कमर में फेंटा लगाए राधारानी तथा उनकी सखियों से होली खेलने पहुंच जाते थे तथा उनके साथ हंसी-ठिठोली किया करते थे, जिस पर राधारानी तथा उनकी सखियां ग्वाल-बालों पर डंडे बरसाया करती थीं।

युगों पहले कर दी गई थी बद्रीनाथ-जोशीमठ पर चौकाने वाली भविष्यवाणी

क्या सच होने वाला है धार्मिक किताबों का भविष्य

कहते हैं सतयुग में भगवान विष्णु ने की थी, यहां भगवान विष्णु आराम करते हैं। यह भी मान्यता है कि यह जगह पहले माता पार्वती और भगवान शिव का निवास स्थान था पर भगवान विष्णु को यह इतना पसंद आया कि उन्होंने बाललीला कर दोनों से यह स्थान ले लिया। इसे सृष्टि का आठवां बैकुंठ भी कहते हैं, जहां भगवान छह माह जागते हैं और 6 माह निद्रा में रहते हैं। इसे सबसे प्राचीन स्थान कहा जाता है। चमोली के कर्ण प्रयाग में स्थित इस जगह पर भगवान श्रीहरि विष्णु विराजमान हैं।

देवभूमि उत्तराखंड में स्थित जोशीमठ में भूस्खलन ने सभी लोगों को चिंता में डाल दिया है। धार्मिक पुस्तकों में जोशीमठ और बद्रीनाथ के बारे में कई भविष्यवाणी की गई हैं। बता दें कि जोशीमठ धाम को बद्रीनाथ और केदारनाथ का मुख्यद्वार माना जाता है।

हाल ही में उत्तराखंड के जोशीमठ में भूस्खलन के मामले के साथ लोगों की चिंता बढ़ गई है। जोशीमठ में रहने वाले लोगों के सिर से छत हटने के बाद उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। बता दें कि धार्मिक पुस्तकों में जोशीमठ और बद्रीनाथ के बारे में कई भविष्यवाणी की गई हैं। कई धार्मिक पुस्तकों में की गई भविष्यवाणी के अनुसार, भविष्य में भूकंप, सूखे और जलप्रलय के बाद गंगा के लुप्त होने के साथ ही जोशीमठ में बद्रीनाथ मार्ग बंद होने का जिक्र किया गया है। ऐसे में क्या धार्मिक पुस्तकों में की गई भविष्यवाणी सच होने की राह पर हैं। जोशीमठ के सैकड़ों घरों में दरार आ गई है। आज इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं कि जोशीमठ को लेकर क्या भविष्यवाणी की गई हैं और क्या इन भविष्यवाणियों के सच होने का समय आ गया है।

जोशीमठ की स्थापना और इसका धार्मिक महत्व

आपको बता दें कि जोशीमठ का पुराना नाम था। जोशीमठ उस दौरान कत्यूरी राजाओं की राजधानी हुआ करती थी। कहते हैं कि जब आदि शंकराचार्य चारों धामों की स्थापना के लिए भ्रमण पर थे तो उन्होंने जोशीमठ में एक शहतूत के पेड़ के नीचे बैठकर तपस्या की थी। इसी स्थान पर उन्हें ज्योतिष ज्ञान प्राप्त हुआ था। इसी के चलते जोशीमठ को ज्योतिषपीठ और ज्योतिर्मठ के नाम से जाना जाता है। शंकराचार्यजी ने यहां भगवान नृसिंह की एक मूर्ति स्थापित की थी। जोशीमठ को भगवान नृसिंह की तपस्थली कहा जाता है। कहा जाता है कि पहले जोशीमठ समुद्र में स्थित था। इसके पर्वत रूप में खड़े होने के बाद भगवान नृसिंह ने इसे अपनी तपस्थली बनाई थी।

रामायण-महाभारत काल से है संबंध

जोशीमठ का संबंध रामायण और महाभारत काल से है। रामायण काल में हनुमानजी काजोशीमठ में आगमन हुआ था। जब मेघनाथ की शक्ति लगने से लक्ष्मणजी मूर्छित हो गए थे। तब संजीवनी बूटी की खोज में हनुमानजी यहां आए थे। जोशीमठ पर हनुमानजी ने रावण द्वारा भेजे गए असुर कालनेमि का वध किया था। कहा जाता है कि जहां पर हनुमान ने असुर को मारा था, वहां की जमीन आज भी लाल दिखती है। इसके अलावा महाभारत काल में हनुमानजी ने जोशीमठ में पांडवों को दर्शन दिए थे। मान्यता है कि पांडव जोशीमठ होकर स्वर्ग यात्रा पर गए थे।

जोशीमठ के बारे में की गई भविष्यवाणी

जोशीमठ में स्थित नृसिंह मंदिर में भगवान नृसिंह की एक प्राचीन मूर्ति है। इस मूर्ति को लेकर कई तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। बता दें कि नृसिंह भगवान की एक भुजा काफी पतली है, जबकि दूसरी भुजा सामान्य है। धार्मिक पुस्तकों के अनुसार, भगवान नृसिंह का पतला हो रहा हाथ जिस दिन टूट जाएगा। उस दिन से भगवान बद्रीनाथ जाने का रास्ता बंद हो जाएगा। इसके अलावा यह भी कहा जाता है कि जब नर और नारायण पर्वत आपस में मिलकर एक हो जाएंगे। तब बद्रीनाथ नाथ धाम लुप्त हो जाएगा। फिर भक्त भगवान बद्रीनाथ के दर्शन नहीं कर पाएंगे। इसके बाद भक्तों को बद्रीनाथ के दर्शन दर्शन भविष्य बद्री में मिल सकेगा।

भविष्य बद्री तीर्थ

इन पुस्तकों के मुताबिक भविष्य में बद्रीनाथ और केदारनाथ लुप्त हो जाएंगे और भविष्यबद्री नामक नए तीर्थस्थल का उद्गम होगा। बता दें कि चमोली में जोशीमठ के पास सुभैन तपोवन में यह स्थान स्थित है। वर्तमान में बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम का मुख्य द्वार जोशीमठ है। जोशीमठ से दोनों तीर्थस्थलों के लिए रास्ता जाता है। वहीं इस तीर्थस्थान की प्राचीनता का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं। स्कंद पुराण में भगवान शंकर ने माता पार्वती से कहा था कि जितना पुराने वह हैं, उतना ही पुराना यह क्षेत्र है। इसी स्थान पर भगवान शंकर ने सृष्टि की रचना के लिए ब्रह्मा के रूप में परम ब्रह्मत्व को प्राप्त किया था। यह भोलेनाथ का आराम स्थान माना जाता है।

हालांकि बद्रीनाथ मंदिर कितना प्राचीन है, इसके बारे में ठीक से जानकारी नहीं है। कहा जाता है कि भगवान विष्णु ने सतयुग में बद्रीनाथ धाम की स्थापना की थी। मान्यता है कि भगवान विष्णु को यह स्थान इतना अधिक पसंद आया कि उन्होंने बाललीला कर भगवान शंकर और माता पार्वती से निवास स्थान ले लिया था। इसे आठवां बैकुंठ भी कहा जाता है। बैकुंठ में भगवान विष्णु 6 महीने निद्रा में और 6 महीने जागते हैं। इसके अलावा यहां से जुड़ी कई कहावतें भी लोगों के बीच में प्रचलित हैं। कहते हैं कि जो आए बदरी ओ न आए ओदरी। इसका अर्थ है कि बद्रीनाथ के दर्शन के बाद दोबारा से गर्भ में आने की जरूरत नहीं पड़ती। उसे जीवन-चक्र से मुक्ति मिल जाती है।

वहीं बद्रीनाथ मंदिर की प्राचीनता के विषय में भी ठीक से जानकारी नहीं है।

तमिलनाडु में है दुनिया का सबसे बड़ा चौथा नटराज मंदिर

देवों के देव महादेव को सबसे जल्दी प्रसन्न किया जा सकता है। भगवान शिव के जितने नाम हैं, उतने ही स्वरूपों में उनकी पूजा की जाती है। आपको उनके विभिन्न स्वरूपों के खूबसूरत मंदिर भी मिल जाएंगे। भगवान शिव का एक ऐसा ही मंदिर है जो न सिर्फ अपनी सुंदरता बल्कि अपनी भव्यता के लिए भी काफी ज्यादा फेमस है। दुनिया के सबसे बड़े मंदिरों में अंगकोर वाट, दूसरे नंबर पर तमिलनाडु में स्थित सबसे बड़ा मंदिर श्रीरंगनाथ मंदिर और तीसरा सबसे बड़ा मंदिर दिल्ली का अक्षरधाम है। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको दुनिया के चौथे सबसे बड़े मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं। जोकि तमिलनाडु के चिदम्बरम में स्थित थिल्लई नटराज का मंदिर है। यहां पर भगवान शिव के नटराज रूप के दर्शन होते हैं। आइए जानते हैं इस मंदिर से जुड़ी खास और रोचक तथ्य...भगवान भोलेनाथ के नटराज मंदिर को चिदम्बरम मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। तमिलनाडु के चिदम्बरम में स्थित नटराज मंदिर भगवान भोलेनाथ के प्रमुख मंदिरों में से एक है। इस मंदिर में स्थापित भगवान शिव के नटराज स्वरूप प्रतिमा का अलौकिक सौंदर्य भक्तों और पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षिक करता है। मान्यता है कि भगवान शिव ने इसी जगह पर अपने आनंद नृत्य की प्रस्तुति की थी। शिव के नटराज स्वरूप मूर्ति नटराज आभूषणों से लदी है। इस भव्य और अनोखे मंदिर का क्षेत्रफल 106,000 वर्ग मीटर होने के साथ ही मंदिर में लगे हर पत्थर पर भगवान भोलेनाथ के अनोखे स्वरूप को उकेरा गया है। भरतनाट्यम नृत्य की मुद्राएं हर जगह उकेरी गई हैं।

दिल में उतरने वाला एक नायाब हीरा

युसुफ साहब के बिना मेरा जीवन फीका है : सायरा बानो

दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार के निधन को एक साल हो गया है और उनकी पत्नी सायरा बानो का कहना है कि दिलीप कुमार के साथ उनके जीवन का हर रंग चला गया है और उनका जीवन फीका हो चुका है। चिकित्सकों ने सायरा को लोगों से मिलने जुलने और व्यस्त रहने की सलाह दी है। लेकिन, तमाम कोशिशों के बावजूद सायरा के लिए जीवन में आगे बढ़ना मुश्किल हो गया है। सायरा बानो ने पीटीआई-भाषा को दिए विशेष साक्षात्कार में बृहस्पतिवार को कहा, 'युसुफ साहब के बिना मेरा जीवन फीका है। यह एक अलग तरह का प्यार है। आप अपने जीवन में कुछ लोगों की जगह किसी और को नहीं दे सकते। मुझे चाहे दुनिया की सारी दौलत दे दो और दूसरी ओर दिलीप साहब को रख दो....., मुझे दिलीप साहब चाहिए। 'मुगल-ए-आजम, 'शक्ति और कई अन्य फिल्मों में शानदार अभिनय के जरिए भारतीय सिनेमा के इतिहास में महान कलाकारों की सूची में अपना नाम दर्ज कराने वाले दिलीप कुमार लोगों के लिए एक दिग्गज अभिनेता थे लेकिन सायरा बानो के लिए वह उनके साहब थे। दिलीप कुमार और सायरा बानो का रिश्ता करीब 55 साल, दिलीप कुमार के निधन तक चला। दिलीप कुमार की आंखों में चमक, हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के लिए उनका प्यार और विशेष चाय के लिए उनका शौक, ये मुट्ठी भर कुछ यादें हैं जिन्हें सायरा ने सहेज कर रखा है। केवल 12 साल की उम्र में ही सायरा बानो दिलीप कुमार की दीवानी बन गईं थीं। पिछले साल 98 वर्ष की उम्र में दिलीप कुमार का निधन हो गया था। सायरा बानो ने कहा, 'हम अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ एक प्रार्थना सभा करेंगे। उनकी आत्मा को शांति मिले, इसके लिए हम एक साथ ध्यान और प्रार्थना करेंगे। हम प्रार्थना करेंगे कि वह अपने ईश्वर के साथ जन्नत की सबसे अच्छी जगह हों।

बॉलीवुड को मुनाफा नहीं देता किसान का दर्द

परदे पर वही कहानियां बिकती हैं, जिनमें दर्शकों को आकर्षित करने और बॉक्स ऑफिस पर नोट बटोरने की क्षमता होती है। ये सब किसान के जीवन में नहीं होता! यही वजह है कि देश का पेट भरने वाले हीरो के बारे में कहानियां गढ़ने की हिम्मत बहुत कम फिल्मकारों ने की!

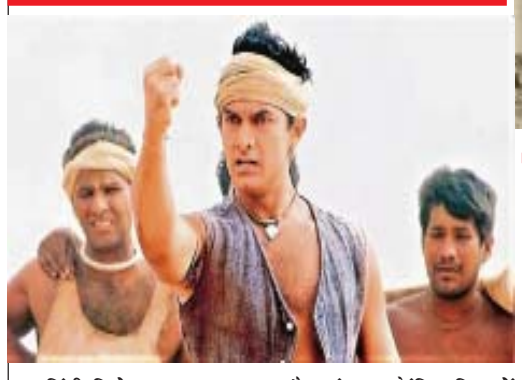

हिंदी सिनेमा का एक लम्बा दौर गांव पर केंद्रित फिल्मों का रहा। शुरुआत के दौर में धार्मिक और पौराणिक फ़िल्में बनती रहीं। रामायण और महाभारत के प्रसंगों को फिल्म की कहानियों का विषय बनाया गया। इसके बाद फ़िल्मकारों की नजर पारिवारिक समस्याओं और महिलाओं की पीड़ा पर पड़ी। इस समय काल में कई ऐसी फ़िल्में बनी, जिनमें गांव थे, खेत-खलिहान थे, बदमाश मुखिया था, सूदखोर साहूकार था, पर किसान का जमीन वाला दर्द नदारद रहा! शुरू के करीब पांच दशक तक फिल्मों में गांव तो बहुत दिखाए गए, पर किसान नहीं! डाकुओं को गांव लूटते, खेतों को जलते और साहूकारों को ब्याज वसूलते भी कई फिल्मों में दिखाया, पर किसानों के दर्द से फिल्म का परदा हमेशा बचता रहा!

सिनेमा की नजर में शायद किसान कभी फिल्म का हीरो नहीं बन सकता! क्योंकि, उसमें फ़िल्मी ग्लैमर नहीं होता! परदे पर तो वही कहानियां बिकती हैं, जिनमें दर्शकों को आकर्षित करने और बॉक्स ऑफिस पर नोट बटोरने की क्षमता होती है। ये सब किसान के जीवन में नहीं होता! यही वजह है कि देश का पेट भरने वाले हीरो के बारे में कहानियां गढ़ने की हिम्मत बहुत कम फिल्मकारों ने की! किसानों की पीड़ा से समाज का बड़ा हिस्सा अलहदा भी इसलिए रहता है, कि उसे किसानों की समस्याओं का पता ही नहीं होता। लेकिन, फिर भी कुछ चुनिंदा फ़िल्में जरूर बनी, जिनमें किसान और गांव का वास्तविक दर्द दिखाई दिया! ऑस्कर पुरस्कारों में विदेशी भाषा की फिल्मों की श्रेणी में भारत की पहली पसंद की जाने वाली फिल्म मदर इंडिया भी किसान के जीवन को दर्शाने वाली ही फिल्म थी! गौर करने वाली एक सच्चाई यह भी है कि किसानों पर जो भी गिनती की फ़िल्में बनी, सभी आजादी के बाद ही बनाई गईं।

1967 में मनोज कुमार ने उपकार फिल्म बनाकर किसान को जवान के समकक्ष खड़ा करने की कोशिश की थी। साथ ही एक भाई के दूसरे के प्रति त्याग और बाद में इन भाइयों में मतभेद के बहाने किसानों की जमीन के बंटवारे के दर्द को भी सामने रखा था। इस फिल्म की कहानी ने किसानों की दुर्दशा और बेरुखी की वास्तविक कहानी कही थी। फ़िल्म को छह फ़िल्मफ़ेयर पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था। इसी फिल्म के बाद दर्शकों ने मनोज कुमार को भारत कुमार कहना शुरू किया था। इसके बरसों बाद आमिर खान जैसे प्रयोगधर्मी फिल्मकार और अभिनेता ने 2001 में लगान बनाकर दर्शकों को चौंका दिया था। इस फिल्म का विषय किसानों को हमेशा सालने वाली सूखे की पीड़ा थी। लेकिन, फिल्म में ब्रिटिश राज में किसानों की लगान वाली परेशानी का हल अलग ही तरीके से निकाला गया था। इस बहाने ये संदेश भी दिया गया था, कि किसानों में यदि एकता हो, तो वे किसी भी बड़ी मुसीबत से जूझ सकते हैं। गांव का किसान भुवन ब्रिटिश अफसर की क्रिकेट खेलने और जीतकर लगान माफ़ी की चुनौती मंजूर कर लेता है। जबकि, गांव में कोई भी क्रिकेट खेलना नहीं जानता था! लेकिन, मैच किसानों के पक्ष में रहता है और वे लगान से मुक्त हो जाते हैं।

किसान के अंतहीन दुख परदे पर

माना जाता है कि किसानों के सही दर्द को पहचान कर उसे परदे पर लाने वाली पहली फिल्म 1953 में दो बीघा जमीन आई थी। इस फिल्म में किसान के अंतहीन दर्द को परदे पर गढ़ा गया था, जो पूरा जीवन साहूकार के कर्ज के दुष्चक्र में फंसा रहता है। फिल्म में भारतीय परिवेश में पले किसान की ऐसी कहानी थी, जो सच्चाई का आईना दिखाती है। किसी किसान की जमीन साहूकार छल से उससे छीन ले, तो उसकी पीड़ा का अहसास ही इस फिल्म की कहानी का केंद्र बिंदु था। बलराज साहनी ने उस शम्भू किसान की भूमिका में जान डाल दी थी, जिसकी जमीन साहूकार 65 रुपए के कर्ज के बदले छीन लेता है। अपने परिवार को बचाने की खातिर शम्भू गांव से शहर जाकर मजदूरी करने लगता है। समीक्षकों ने इस फिल्म को आजादी के बाद गांव में पूंजीवाद की घुसपैठ की शुरुआत बताया था। कुछ लोगों का यह भी मानना था कि देश के विकास की सबसे ज्यादा कीमत किसान ने ही दी है और यह फिल्म उसी विकास की कलई खोलती है।

इस फिल्म में दिखा था असली किसान

किसानों पर बनने वाली एक फिल्म पीपली लाइव भी थी, जो 2010 में प्रदर्शित हुई। इस फिल्म को भी आमिर खान ने ही बनाया था। इस फिल्म ने किसानों के बहाने समाज के कई हिस्सों पर चोट की थी। किसानों के लिए योजना बनाने वालों, उसे अमल में लाने वाले अफसरों और किसानों के मरने पर उसे सनसनीखेज खबर बनाने वाले पत्रकारों को भी फिल्म के जरिए आईना दिखाया गया था। फिल्म का केंद्र सरकार की उस कमज़ोरी का खुलासा था, जिसके पास किसान के मरने पर तो मुआवजा देने का प्रावधान था, पर जिंदा किसान के लिए कोई योजना नहीं थी!

खुरदुरे किरदार जिन्होंने दिल जीता!

अब न तो मोगेम्बो का वजूद बचा, न बेडमैन का और न डॉ. डेंग जैसा चेहरा ही परदे पर नजर आया। अब नायक और खलनायक में बहुत ज्यादा फर्क नहीं रहा! खलनायक ग्रे-कैरेक्टर में बदल गया। यह बदलाव अब कई फिल्मों में दिखा। पर, ऐसे प्रयोग पहले भी हुए, जब कहानी में नायक की भूमिका को खलनायक की तरह रचा गया! लेकिन, फिर भी उस पात्र के साथ दर्शकों की सहानुभूति बनी रही।

फिल्मों में खलनायक का तात्पर्य होता है, ऐसा किरदार जो पूरी फिल्म में नायक के खिलाफ होता है और हर तरह से उसको नुकसान पहुंचाता है। उसमें मानवता नहीं होती और वह जुल्म, ज्यादती का पर्याय होता है। लेकिन, सिनेमा की दुनिया में बीते सालों में जो बदलाव आया उसने कई जिन धारणाओं को खंडित किया उसमें खलनायक की बदली पहचान भी है। खलनायक किसी भी फिल्म का अहम हिस्सा होते हैं! फिल्मों का जो खलपात्र अपनी जिस क्रूरता और शातिराना अंदाज के लिए पहचाना जाता था, वह फिल्मों से लगभग गायब हो गया! किसी फिल्म में खलनायक होता भी है, तो उसके चेहरे पर न तो क्रूरता के भाव होते हैं और न आंखों में वो अंदाज जो उसके खलनायक होने की पहचान होता है। बीते एक दशक में फिल्मों में यह बदलाव तेजी से दिखाई दिया। अब न तो मोगेम्बो का वजूद बचा, न बेडमैन का और न डॉ. डेंग जैसा चेहरा ही परदे पर नजर आया। अब नायक और खलनायक में बहुत ज्यादा फर्क नहीं रहा! खलनायक वास्तव में ग्रे-कैरेक्टर में बदल गया। ये बदलाव अब कई फिल्मों में

दिखाई देने लगा! पर, ऐसे प्रयोग पहले भी हुए, जब कहानी में नायक की भूमिका को खलनायक की तरह रचा गया! लेकिन, फिर भी उस पात्र के साथ दर्शकों की सहानुभूति बनी रही ज्ञान मुखर्जी निर्देशित किस्मत (1943) ऐसी ही फिल्म थी, जिसमें हीरो अशोक कुमार का किरदार खलनायक की तरह था। शायद यह पहली ऐसी हिंदी फिल्म थी, जो खलनायक प्रधान बनी। यह एक युवा चोर की कहानी थी जिसमें अशोक कुमार का किरदार शेखर का था, जो चोर-बदमाश था। लेकिन, सामाजिक रूप से अस्वीकार्य होने पर भी वह दया, करुणा, प्रेम और मित्रता की मिसाल होता है। यह पहली ऐसी फिल्म थी जिसने एक करोड़ की कमाई की थी। यह फिल्म लगातार तीन साल तक थिएटर पर लगी रहने वाली भी पहली फिल्म थी। 1957 में आई मदर इंडिया भी एंटी-हीरो फिल्म ही मानी जाएगी। इसमें सुनील दत्त की भूमिका नकारात्मक जरूर थी, पर उन्होंने दर्शकों का दिल जीत लिया था। वे डाकू जरूर थे, पर गरीबों के मसीहा भी थे। बाद में सुनील दत्त ने 36 घंटे (1974) और मुझे जीने दो (1963) में भी ऐसे ही निगेटिव कैरेक्टर निभाए।गंगा जमुना (1961) भी ऐसी ही फिल्म थी, जिसमें दिलीप कुमार ने दो भाइयों की अपराध के खिलाफ लड़ने की प्रवृत्ति को उबारा था। दिलीप कुमार ने गंगा की भूमिका की थी, जो अन्याय का खात्मा करता है। उसका भाई जमुना पुलिस में रहता है। दोनों भाइयों के बीच टकराव भी होता है। लेकिन, कहानी में डाकू बना पात्र दर्शकों को ज्यादा प्रभावित करता है। कुछ इसी तरह की कहानी दीवार में थी, जिसमें अमिताभ बच्चन ने अपने किरदार को जीवंतता से निभाया था। कुछ ऐसा ही रमेश सिप्पी की शोले (1975) में भी था। ये भले ही क्रूर डाकू गब्बर सिंह के आतंक की कहानी हो, पर दर्शकों को यही डाकू ज्यादा याद रहा। जय और वीरू बने अमिताभ और धर्मेंद्र उसके बाद याद आते हैं। फिल्म में गब्बर सिंह वो खलनायक था, जिसने दो नायकों को उबारने में पूरी मदद की। क्योंकि, खलनायक ही वो किरदार होता है, जो नायक को नायक बनाता है। 1978 में आई डॉन में भी अमिताभ बच्चन ने अंडरवर्ल्ड डॉन की नकारात्मक भूमिका निभाई ।

काली फिल्म

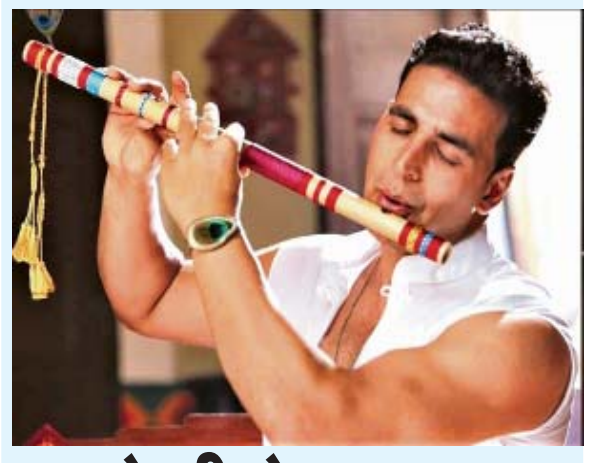

पहले भी ये सब हुआ!

वृत्तचित्र 'काली' के एक पोस्टर ने लोगों को भड़का दिया। देवी की पोशाक में सिगरेट पीते एक अभिनेत्री के पोस्टर ने आग में घी का काम किया। भोपाल में इस फिल्म को लेकर शिकायत दर्ज कराई गयी है! उधर, पश्चिम बंगाल की एक सांसद ने इस मामले को नया रंग दे दिया, जिससे माहौल और गरमा गया। विरोध यहां तक बढ़ा कि फिल्म की डायरेक्टर लीना मणिमेकलई के खिलाफ कई और राज्यों में एफआईआर दर्ज हो गईं। फिर भी उन्होंने बजाय पीछे हटने के लोगों की भावनाओं के खिलाफ बयानबाजी की। क्योंकि, वे जानती हैं कि भारत की पुलिस के हाथ इतने लम्बे नहीं हैं कि वह कनाडा पहुंचकर उसके गिरेबान पर हाथ डाल सके। यह तो विदेश में बसी फिल्मकार की बात है। चंद भारतीय फिल्मकार पहले भी कई फिल्मों में देवी-देवताओं को हास्यास्पद ढंग से पेश कर चुके हैं। कभी रामलीला के मंचन के दृश्यों से तो कभी महाभारत के दृश्यों के मंचन को भद्दे तरीके से फिल्माकर हास्य के नाम से यह खेल बरसों से चला आ रहा है। बरसों पहले आई फिल्म 'जाने भी दो यारो' में ऐसा ही एक प्रसंग था जिसमें दृष्टिहीन धृष्टराष्ट्र 'ये क्या हो रहा है' कहता रहता है और शेष पात्र मजाकिया अंदाज में अपमानजनक हरकतें करते दिखाई देते हैं। तब दर्शकों ने इसे मजे ले-लेकर देखा था। हो सकता है तब कथानक के मुताबिक फिल्मकार का उद्देश्य धार्मिक पात्रों का मजाक उड़ाना नहीं रहा हो, लेकिन दर्शकों का विरोध न होने से दूसरे फिल्मकारों के हौसले बुलंद होते चले गए। उन्होंने भगवान का मजाक उड़ाने के नाम पर पूरी की पूरी फिल्में ही बनाना शुरू कर दिया जिनमें पाताल भैरवी, लोक परलोक, ओ माय गॉड, गॉड तूसी ग्रेट हो और 'पीके' जैसी फिल्में बनी और खूब चलीं। यह बहस भी चल पड़ी है कि फिल्मों में हिंदू धर्म और देवी-देवताओं को मजाक बनाकर क्यों पेश किया जाता है। क्या कारण है कि दूसरे धर्मों के प्रति ऐसा नहीं किया जाता! 'ओह माई गॉड' और 'पीके' जैसी हिंदू आस्था पर चोट करने वाली फिल्मों के बारे में सेंसर बोर्ड पर आरोप लगाया जाता है, कि वह इसे मनोरंजन मानकर हरी झंडी क्यों दिखाता है। जबकि किसी और धर्म को लेकर की गई टिप्पणी को आपत्तिजनक मानकर उस पर कैंची चला दी जाती है। सेंसर की अपनी मजबूरियां और नियम-कायदे हो सकते हैं। लेकिन, यह भी ध्यान देने वाली बात है कि फिल्मों में न तो हिंदुओं को बख्शा जाता है न मुस्लिमों को! कुछ सालों से आतंकवाद पर फ़िल्में ज्यादा बनने लगीं, जिसमें मुस्लिम किरदार ही खलनायक दिखाए जाते हैं। वैसे भी फिल्मों में मुस्लिम किरदारों को जगह कम ही मिलती है। इसमें भी उनकी छवि लगभग तय होती है!

नग़मे गाता गया फिर हवा बन गया

पंच तत्वों में समाने से पहले के दस बरस भूपीदा ने अपने भीतर ही समेट लिये। खुद को ज़ाहिर न होने दिया। जीवन का उत्तरार्द्ध! उफ!! करोगे याद तो हर बात याद आएगी। भूपीदा कभी किसी को मुकम्मल जहां ना मिलने वाली शहदिया मिठास भरी, कहीं दूर दर्द के अहसासों में से बर्फीली छुअन दे जाती सी आवाज़ भर नहीं थे। वे शायरी के अल्फाज़ थे। जब वे गाते थे तो उधर क्षितिज में लिख जाता था कि शायरी खुद मुखातिब है, कह रही है-

शौक से आएं ग़म ज़माने के, दर खुले हैं गरीबखाने के
किसी नज़र को तेरा इंतज़ार आज भी है
इश्क खुदा का नूर है ऐसा कि दिल रोशन हो जाये
वो जो शायर था चुप सा रहता था
आज बिछड़े हैं कल का डर भी नहीं
भूपीदा मानो कह रहे हों-
चलती राहों में यूं हीं आंख लगी है अभी,
भीड़ लोगों की हटा दो कि ज़िंदा हूं अभी।
दर्द इतना मिला कि दवा बन गया,
नग़मे गाता गया फिर हवा बन गया।

अलसाया आलम! उनींदा सा। बिस्तर से बाहर निकलने की अनिच्छा!! अपनी ही सुहाती सी नशीली आवाज़!!! भूपेंद्र, भूपीदा यहीं तो आ जुड़ते हैं आपसे, समा जाते हैं आपमें और फिर दिल ढूंढने लगता है फिर वही फ़ुरसत! कि रात-दिन बैठे रहें यों हीं। उम्र गुज़र जाये यों ही। जाड़ों की नर्म धूप चढ़ती चली जाये यों हीं। ज़िन्दगी एक रैना सी हो जाये, बीते ना बिताये। ज़िन्दगी में तुझ्हारे तो ज़्या, कोई ग़म ही ना हो।

ऐ ऐसी ज़िन्दगी! आबोदाना ढूंढेंगे आशियाना ढूंढेंगे, तुम बस मेरे घर आना।

ज़िन्दगी आई बरसों बनी रही उनके घर, उनके गले में, उनके हाथों में, ये ऐलान करते हुए कि मेरे घर का इतना सा पता है कि मेरे घर के आगे मुहब्बत लिखा है और फिर.. आई थी तो जाना भी था। वो चली गई। भूपिंदर सिंह सोनी ज़िन्दगी को एक ज़्वाब सी बना, ज़्वाहिश सी बना चुपचाप चले गए!

आप ज़िंदा ही तो हैं भूपीदा! आप जैसे फनकार फना होते हैं भला!! आप फाकिर, फाज़ली, नज़्श, गुलजार और इनसे निकलते आला शायरों का फख्र हैं, उनकी कलमों का नाज़ हैं। गुलज़ार! जैसे कोई शायर अपनी आवाज के पास बैठ गया हो। मदनमोहन, जयदेव, पंचम, खैयाम का अभिमान हैं। बर्मन दा जब होंठों में ऐसी बात... का हंगामी तानाबाना बुनते हैं तो आपका सिर्फ ओ शालू.. भरा उद्घोष समूचे उज़र पूर्वी भारत का जयघोष बन जाता है। आप ज़िंदा ही तो हैं भूपीदा! जो कतरा-कतरा संगीत में रचा बसा हो वो कहां संगीत रसिकों से दूर हो पाता है?

जिन शिल्पकारों ने भारतीय फिल्म संगीत के सुनहरे युग का निर्माण किया उनमें से अंतिम बचे स्वर्ण स्वरों में से एक आप भी हैं, आप संगीतात्मीयों में उस मकाम पर हैं कि वे आपको झिड़की दे कह उठते हैं- हुज़ूर इस कदर भी ना इतरा के चलिए।

आप ज़िंदा ही तो हैं भूपीदा! आपका कंठ सुरीला, आप के हाथ भी। दम मारो दम,जिस दिन से मैंने तुमको देखा है , चुरा लिया है तुमने, यादों की बारात निकली, चिंगारी कोई भड़के, चलते चलते मेरे ये गीत, मेहबूबा मेहबूबा आने वाला पलऔर ऐसे कई गीतों में आपके हवाइन गिटार का नशा कभी उतर ही नहीं सकता। आपकी उंगलियां थोड़े ही गिटार बजाती थीं वो तो आपकी आत्मा थी जो उंगलियों में आ बैठती थी। और गिटार ही ज़्या? ज़्या रबाब, ज़्या वायलिन -ज़्या नहीं बजा पाते थे आप? ऊद तो लाये भी आप ही हैं फिल्म संगीत में और हां 12 स्ट्रिंग गिटार से भी फिल्मी गीतों को आपने ही परिचित करवाया है।

आप ज़िंदा ही तो हैं भूपीदा! कह जो गये हैं -नाम गुम जाएगा, चेहरा ये बदल जायेगा, मेरी आवाज़ ही पहचान है।

भूपीदा आप वहां फिल्म आखिरी ख़त के उस गीत में अपने संपूर्ण रूप में हैं और रहेंगे, वहां आपकी दिलकश खरजदार आवाज भी है, आपका बोलता गिटार भी है और आप खुद भी हैं रुत जवां है रात मेहरबां है और आपने कोई दास्तां भी छेड़ रखी है। काश ये दास्तां कभी खत्म न होती!!

भूपेंद्र, भूपिंदर सिंह, भूपीदा अस्पताल में कई तकलीफों के साथ कोरोनाग्रस्त हो जाने के बाद महाप्रयाण की तैयारी कर चुके थे। छोटे भाई की तरह रहे दिग्गज संगीतज्ञ उज़म सिंह को उन्होंने कहा कि बस कुछ दिन और!अमृतसर, पिता नत्था सिंह के संगीत ज्ञान के सामने डर जाने वाला भूपी, गिटार हाथ लगते ही संगीत का हो जाना उसका, दिल्ली आकाशवाणी में सतीश भाटिया का साथ, दिल्ली में ही संगीत सर्जक मदन मोहन की पारखी नजरों में उसका चढ़ना, वो बंबई बुलावा फिर रफी साहब के सामने ना गा पाना, पंचमदा से जिगरी दोस्ती, बांग्लादेश से मिताली मुखर्जी के रूप में जीवन संगिनी का आ मिलना, सार्थक संगीत में शिखर छूना और फिर अचानक तय कर कह उठना अब कफन ओढ़ लिया है कोई अफसोस नहीं! सैंया बिना घर सूना अब!!

कांग्रेस ने कहा- सत्ता में आए तो गैस सिलेंडर की कीमत करेंगे 500 रुपये से कम

घरेलू रसोई गैस सिलेंडर और वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी को कांग्रेस 'होली से पहले मोदी सरकार का तोहफा' करार दिया है. पार्टी ने केंद्र को राजस्थान सरकार से सीख लेकर घरेलू एलपीजी सिलेंडर का दाम 500 रुपये से कम करना चाहिए. मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि अगर 2024 में उसकी सरकार बनती है तो किसी भी सूरत में घरेलू रसोई गैस की कीमत 500 रुपये से अधिक नहीं होगी.पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़ने ने ट्वीट किया, 'घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम 50 रुपये बढ़ाए, वाणिज्यिक गैस सिलेंडर 350 रुपये महंगे. जनता पूछ रही है — अब कैसे बनेंगे होली के पकवान, कब तक जारी रहेंगे लूट के ये फ़रमान ?' उन्होंने तंज कसते हुए यह भी कहा, 'मोदी सरकार में लागू कमरतोड़ महंगाई के तले पिसता हर इंसान !" होली से सात दिन पहले तोहफा दिया 'कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने कहा, 'मित्रकाल में मोदी जी ने जनता को होली से सात दिन पहले तोहफा दिया है. मोदी जी नहीं चाहते कि लोग होली पर अपनी रसोई में कुछ बनाएं.'

गौरव वल्लभ ने कहा, 'राजस्थान में हमारी सरकार गैस सिलेंडर 500 रुपये से कम में दे रही है. राज्यों से सीखो मोदी जी. हमारी मांग है कि रसोई गैस की कीमत 500 रुपये से कम की जाए. अगर यह कीमत 500 रुपये से अधिक होती है तो यह जीडीपी वृद्धि के लिए ठीक नहीं होगा.'

'हम प्रण लेते हैं;

यह पूछे जाने पर कि अगर 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस जीतती है और उसकी सरकार बनती है तो क्या घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 500 रुपये से कम की जाएगी तो वल्लभ ने कहा, 'जब हम राजस्थान में यह कर सकते हैं तो देश में ऐसा क्यों नहीं करेंगे.' उन्होंने कहा 'हम प्रण लेते हैं कि 2024 में अगर हमारी सरकार बनती है तो घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 500 रुपये से अधिक नहीं होगी.'

उल्लेखनीय 14.2 किलोग्राम वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में बुधवार को 50 रुपये की बढ़ोतरी की गई. राजधानी दिल?ली में घरेलू रसोई गैस सिलेंडर का दाम अब 1103 रुपये पहुंच गया है. पहले यहां 1053 रुपये में सिलेंडर मिलता था.

यूपी में बजाया 'फूहड़ गाना' तो आ सकती है मुश्किल

रंगो के त्यौहार होली की तैयारियां कई दिन पहले से ही शुरू हो चुकी हैं. इस साल होली 8 मार्च को पूरे देश भर में मनाया जाएगा. होली के त्यौहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने जरूरी गाइडलाइन जारी किए हैं. उत्तर प्रदेश सरकार ने चेतावनी दी है कि अगर कोई गाइडलाइंस का पालन नहीं करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि राज्य में हर त्योहार और उसके धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाएगा लेकिन त्यौहार के मौके पर उपद्रवी और अराजक तत्वों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. सूबे के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि आने वाले अगले कुछ महीनों में होली, चैत्र नवरात्र, शब-ए-बारात, रमजान, नवरोज, और राम नवमी समेत कई मुख्य त्योहार पड़ने वाले हैं. कई जगहों पर शोभायात्रा निकाली जाती है और लोगों की बड़ी भीड़ मेले में भी शामिल होगी. ऐसे में इन त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से कराने का जिम्मा प्रशासन और वरिष्ठ अधिकारियों के कंधे पर है. योगी सरकार ने कहा है कि अगर कोई शांतिपूर्ण व्यवस्था को भंग करने की कोशिश करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. इसके अलावा अगर कोई जानबूझकर दूसरे धर्म संप्रदाय के लोगों को भड़काने का काम करता है तो उसे भी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा. योगी आदित्यनाथ ने आगाह किया है कि होली पर जगह पर 'फुहड़ गाने' या 'अश्लील गाने' बजाकर उत्पात मचाने वालों को भी नहीं बख्शा जाएगा.

संवेदनशील इलाकों पर रहेगी नजर

योगी सरकार ने कहा है कि प्रदेश भर में पिछले 6 सालों में सभी त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से बीते हैं. आने वाले दिनों में भी त्योहारों पर इसी तरह का माहौल रखा जाएगा. संवेदनशील जगहों पर प्रशासन की पैनी नजर होगी और इन जगहों पर अधिक पुलिस बल की तैनाती की जाएगी. त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों, रेंज जोन और मंडल पर तैनात पुलिस कर्मियों की सीएम योगी ने ऑनलाइन बैठक बात भी हुई है. इसके साथ ही उन्होंने इस मीटिंग में सुरक्षाबलों को विशेष दिशा-निर्देश भी दिए हैं.

प्रयागराज शूटआउट पर सीएम योगी की असेंबली में दो टूक, मिट्टी में मिला दूंगा

प्रयागराज में बहुजन समाज पार्टी के विधायक राजू पाल की 2005 की हत्या के मुख्य गवाह उमेश पाल की हत्या ने शनिवार सुबह उत्तर प्रदेश विधानसभा में सीएम योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के बीच तीखी बहस छेड़ दी। सीएम आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर माफियाओं (अपराधियों) को संरक्षण देने का आरोप लगाया और कहा कि 'उनको मिट्टी में मिला दूंगा'।

उमेश पाल की शुक्रवार को उनके प्रयागराज स्थित आवास पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उनके एक गनर, जो भी गोलीबारी में घायल हुआ था, की बाद में एक अस्पताल में मौत हो गई। पूर्व सांसद अतीक अहमद के छोटे भाई खालिद अजीम को हराकर अपने चुनावी पदार्पण में इलाहाबाद (पश्चिम) विधानसभा सीट जीतने के महीनों बाद राजू पाल की हत्या कर दी गई थी। राजू पाल हत्याकांड में अतीक अहमद, उनके भाई और पूर्व विधायक अशरफ मुख्य आरोपी हैं। सभी आरोपी फिलहाल जेल में बंद हैं।

सीएम योगी के तेवर से थर-थर कांप रहा माफिया अतीक अहमद ? कोर्ट से लगाई गुहार- यूपी पुलिस के हवाले न करो

विधायक राजू पाल हत्याकांड के गवाह उमेश पाल की बर्बर हत्या के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ के कठोर रुख से माफिया गुंडा अतीक अहमद थर-थर कांप रहा है. वह इस वक्त साबरमती जेल में बंद है. उससे पूछताछ करने के लिए यूपी एसटीएफ की टीम गुजरात रवाना हो रही है. अतीक को डर है कि कहीं पूछताछ के बहाने यूपी लाकर उसका एनकाउंटर न कर दिया जाए. इस डर के चलते अतीक अहमद ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर अपनी सुरक्षा पर अंदेशा जताया है. अतीक ने कोर्ट से गुहार लगाई है कि उसे यूपी पुलिस के हवाले न किया जाए.

अतीक अहमद से पूछताछ की तैयारी

सूत्रों के मुताबिक उमेश पाल हत्याकांड केस की जांच कर रही यूपी पुलिस पूछताछ के लिए अतीक अहमद को साबरमती जेल से रिमांड पर यूपी लाने की तैयारी भी कर रही है. जिससे डरकर अतीक अहमद ने सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाई है कि उसे साबरमती जेल से यूपी की जेल में ट्रांसफर ना किया जाए. दरअसल अतीक अहमद को अब डर सता रहा है कि गुजरात से यूपी ले जाते समय उसका एनकाउंटर हो सकता है.

क्या पलटने वाली है अतीक की गाड़ी?

योगी सरकार के कई मंत्री और बीजेपी सांसद भी इशारों-इशारों में हिंट दे रहे हैं कि कहीं कानपुर वाले माफिया विकास दूबे की तरह अतीक अहमद की गाड़ी भी ना पलट जाए. अतीक अहमद के खिलाफ जिस तरह सीएम योगी आदित्यनाथ का एक्शन आगे बढ़ रहा है, उसी तरह माफिया गुंडे अतीक के दिल की धड़कनें भी बढ़ती जा रही हैं.

पूर्वी यूपी में खौफ का दूसरा नाम था अतीक

एक वक्त था, जब बाहुबली अतीक अहमद पूर्वांचल में खौफ का दूसरा नाम हुआ करता था. आज योगी सरकार ने उसकी इतनी

बुरी हालत कर दी है कि अतीक अहमद को अपनी मौत का डर सता रहा है. वो सुप्रीम कोर्ट में अपने एनकाउंटर के डर से गुहार लगा रहा है. लेकिन सीएम योगी की अगुवाई में अतीक अहमद के खिलाफ यूपी पुलिस ने जिस तरह एक के बाद एक एक्शन सीन दिखाने शुरु कर दिये हैं. उससे लगता है कि अतीक अहमद का एनकाउंटर भले ही ना हो लेकिन उसके खौफ का एनकाउंटर जरूर हो गया है.

17 साल की उम्र में अपराध की दुनिया में कदम

अतीक अहमद ने जुर्म की दुनिया में 17 साल की उम्र में ही पैर रख दिया था, जब उस पर कत्ल का इलजाम लगा था. वर्ष 1992 तक उत्तर प्रदेश और बिहार में उसके खिलाफ अपहरण, हत्या, जबरन वसूली के 44 केस दर्ज हो चुके थे और अतीक अहमद डॉन बन चुका था. ये वही दौर था जब अतीक अहमद ने राजनीति में भी अपनी एंट्री कर दी थी. वर्ष 1989 में अतीक अहमद ने इलाहाबाद पश्चिम सीट से चांद बाबा के खिलाफ चुनाव लड़ा और जीत भी गया. चुनाव जीतने के कुछ महीने बाद ही चांद बाबा की दिनदहाड़े हत्या हो गई, जिसका आरोप अतीक अहमद पर लगा.

राजनेताओं में भी था अतीक अहमद का खौफ

इसके बाद तो यूपी की राजनीति में भी अतीक अहमद का खौफ फैल गया. कहते हैं कि अतीक अहमद के खिलाफ कोई भी नेता चुनाव लड़ने को तैयार नहीं होता था. पार्टियां जिन नेताओं को अतीक के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए उतारती थीं, वो अपना टिकट वापस लौटा देते थे. इसलिए इलाहबाद पश्चिम सीट से 1991 और 1993 में अतीक अहमद निर्दलीय लड़ा और विधायक भी बना.

इसके बाद कभी सपा तो कभी बसपा और अपना दल के टिकट पर वह सांसद-विधायक बनता रहा. उसे आतंक मचाने और खौफ फैलाने का लाइसेंस असल में समाजवादी पार्टी ने ही दिया था. जिसे अब सीएम योगी आदित्यनाथ मटियामेट करने में लगे हैं.

अतीक के करीबी जफर अहमद की सफेद कोठी पर चला बाबा का बुलडोजर

प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने बुधवार को कुख्यात गैंगस्टर अतीक अहमद के सहयोगी के घर को गिराना शुरू कर दिया, जिसे उसके भाई अशरफ के साथ उमेश पाल हत्याकांड में आरोपी बनाया गया है। प्रयागराज के करेली थाना क्षेत्र के चकिया में स्थित मकान खालिद जफर का बताया जा रहा है। यह संपत्ति अब राडार के दायरे में है, पूर्व में अवैध निर्माण के लिए नोटिस जारी किया गया है। घर की कीमत करीब 2.5 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा समाजवादी पार्टी पर माफिया (अपराधियों) को संरक्षण देने का आरोप लगाने और 'उनको मिट्टी में मिला देंगे' के कुछ दिनों बाद आई है।

उमेश पाल मर्डर-2005 में बसपा विधायक राजू पाल की हत्या के मुख्य गवाह उमेश पाल की 24 फरवरी को दिनदहाड़े प्रयागराज में उनके आवास के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जेल में बंद पूर्व समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद अतीक अहमद 2005 में बसपा विधायक राजू पाल की हत्या का मुख्य आरोपी है और उस पर गुजरात की साबरमती जेल के अंदर से उमेश पाल की हत्या की साजिश रचने का आरोप है, जहां वह वर्तमान में बंद है।24 फरवरी की शाम को प्रयागराज के सुलेम सराय इलाके में पाल और दो पुलिसकर्मियों पर उनके आवास के बाहर हथियारबंद लोगों ने फायरिंग कर दी थी. उमेश पाल और एक पुलिसकर्मी संदीप निषाद की मौत हो गई, जबकि एक अन्य सुरक्षाकर्मी राघवेंद्र सिंह की हालत गंभीर है।

शांति समिति की बैठक चल रही थी थाने में, माइक से दे डाली धमकी मौलाना ने, गिरा रंग मस्जिद पर तो...

निकट है. होली का त्यौहार उसी दिन मुसलमानों का शब-ए-बारात भी है, लिहाजा पुलिस प्रशासन की ओर से सभी जगहों पर थाना स्तर पर शांति समितियों की बैठकें आयोजित की जा रही हैं. इसी कड़ी में मुरादाबाद के बिलारी थाने में भी शांति समिति की बैठक चल रही थी जिसमें पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों के साथ शहर के गणमान्य लोगों ने शिरकत की. आने वाले त्यौहार

भाईचारे और शांति के साथ सम्पन्न

हों, इस विषय पर सभी ने अपने अपने विचार रखे. लेकिन जैसे ही बिलारी के शहर इमाम सदाकत हुसैन ने माइक संभाला तो उनके कड़वे वचन सुनकर सब हक्के बक्के रह गए.बैठक में इमाम ने मौजूद पुलिस- प्रशासन के अधिकारियों के सामने ही माईक से ऊंची आवाज में चेतावनी दे डाली. इमाम ने कहा, होली के मौके पर वे उन्हें होली खेलने को मजबूर ना करें और ना की किसी भी तरह की कोई शरारत करें. ऐसा ना हो कि बिलारी में फिर हंगामा हो जाए. पहले भी 2 बार ये बात हो चुकी है. बाकी त्योहारों में भी होती है लेकिन अब अगर हुआ तो फसाद और झगड़ा होगा.धमकी देते हुए इमाम ने कहा, पहले से चेतावनी दे रहा हूं. प्रशासन होली को लेकर सतर्क हो जाए. निगरानी रखने के लिए जो भी पुलिस टीमें बनाई जा रही हैं, उन्हें हिदायत दी जा रही है कि जो भी मस्जिद के पास से गुजरे उसकी वीडियो बनाई जा जाए. चाहे उस दिन कोई शराब पिए हो या कुछ और हो, उसका चालान होना चाहिए, नहीं तो मैं उसे बख्शूंगा नहीं.इमाम सदाकत हुसैन यहीं पर नहीं रुका. उसने कहा, अगर शराब पी रखी है तो घर में रहो या मस्जिद के सामने से सीधे निकलो. अगर मस्जिद या मुसलमानों की किसी दुकान पर रंग डाला गया तो उसकी जवाबदेही पुलिस टीमों की होगी. ऐसे लोगों की वीडियोग्राफी करके उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए. बिलारी शहर के इमाम का ये भड़काऊ भाषण कुछ ही घंटों में वायरल हो गया.

कार्रवाई की मांग जब इमाम पर उठने लगी तो उसके सुर बदल गए. रात में इमाम सदाकत हुसैन ने एक वीडियो संदेश जारी करके कहा कि किसी भी धर्म या आस्था के खिलाफ बोलने का उनका कोई मकसद नहीं था. वह किसी को आहत नहीं करना चाहता था. हालांकि इमाम की मुसीबत इससे खत्म नहीं हुई है. पुलिस ने इमाम के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है.

शाहरुख खान की पत्नी गौरी की बढ़ी मुसीबत, लखनऊ के थाने में केस हुआ दर्ज

शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान एक बड़ी मुश्किल में फंस गई हैं. शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान के खिलाफ यूपी (क्क) की लखनऊ पुलिस ने केस दर्ज किया है. गौरी खान के खिलाफ आईपीसी (ड्ढक्ष्ट) की गैर जमानती धारा 409 में स्नड्ढक्रदर्ज की गई है. आपको बताते चलें कि लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाने में गौरी के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है.

कई लोगों के खिलाफ दर्ज हुआ मुकदमा

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, तुलसियानी कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपर्स लिमिटेड के सीएमडी अनिल कुमार तुलसियानी, डायरेक्टर महेश तुलसियानी और कंपनी के ब्रांड एंबेसडर गौरी खान पर यह केस दर्ज किया गया है.

क्या था मामला

आपको बताते चलें कि ये मामला लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में स्थित तुलसियानी गोल्फ व्यू में एक फ्लैट की खरीददारी से जुड़ा है. शिकायतकर्ता के मुताबिक उसने कंपनी की ब्रांड एंबेसडर गौरी खान के प्रचार-प्रसार से प्रभावित होकर एक फ्लैट खरीदा था. एफआईआर में बिल्डरों पर आरोप है कि इस सोसायटी में एक फ्लैट के लिए उन्होंने 86 लाख रुपये का पेमेंट किया गया था. इसके बावजूद अभी तक फ्लैट का कब्जा नहीं मिला है. ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि बिल्डर ने पैसे

लेने के बाद फ्लैट किसी और को दे दिया.

तुलसियानी ग्रुप की ब्रांड एंबेसडर थीं गौरी खान

गौरी खान समेत कंपनी के कई लोगों के खिलाफ ये बड़ी कानूनी कार्रवाई मुंबई के रहने वाले किरीट जसवंत शाह की शिकायत पर हुई है. पीड़ित का कहना है कि उनको लगा कि गौरी खान विश्वसनीय चेहरा हैं, ऐसे में उन्होंने सुशांत गोल्फ सिटी सेक्टर-1 पॉकेट डी में फ्लैट बुक करवा लिया, लेकिन उनके साथ धोखा हो गया.

अक्टूबर 2016 में मिलना था पजेशन

शिकायतकर्ता ने ये भी कहा, 'फ्लैट बुक करने के लिए दिए गए नंबर पर फोन किया तब कंपनी के एमडी अनिल कुमार तुलसियानी और डायरेक्टर महेश तुलसियानी से बात हुई थी. फिर मैंने करीब 86 लाख का पेमेंट अगस्त 2015 में किया. बुकिंग के समय कहा गया था कि अक्टूबर 2016 तक पजेशन दे दिया जाएगा. तय समय पर कब्जा न मिलने पर बात की तो 6 महीने की और मोहलत मांगी गई लेकिन वो वादा भी पूरा नहीं हुआ

संदेशपरक फिल्म 'वांछा' की शूटिंग संम्पन्न

सोशल मीडिया और टी वी चैनलों पर इन दिनों चमत्कारी बाबाओं के वीडियो वायरल हो रहे हैं। बागेश्वर धाम सरकार धाम बनाम अंधश्रद्धा उन्मूलन समिति वाले प्रकरण में हज़ारों बाबाओं को एक्सपोज करने वाले श्याम मानव भी काफी चर्चा में रहे। इसी कड़ी में एक नया नाम जुड़ गया है झारखंड के चर्चित फिल्म लेखक निर्देशक प्रशांत गैलवर का। अपनी बहुप्रतीक्षित संदेशपरक फिल्म 'वांछा' को लेकर वो इन दिनों चर्चा का विषय बने हुए हैं।झारखंड की धरती से जुड़ी इस फिल्म की शूटिंग सम्पन्न हो चुकी है। मिली फिल्म्स एंड टी वी इंटरनेशनल के बैनर तले मनोज कुमार द्वारा निर्मित इस फिल्म के कैमरामैन सुमित सचदेवा, एडिटर सुमित सिन्हा 'गोलू', प्रोडक्शन कंट्रोलर मनोज वर्मा, गीतकार प्रशांत गैलवर, संगीतकार श्रीकांत जयकांत, प्रचारक काली दास पाण्डेय, मेकअप आर्टिस्ट प्रियंका और प्रोडक्शन एक्सक्यूटिव कुमारी मिली हैं।इस फिल्म के मुख्य कलाकार मनोज सहाय, शेखर वत्स, शंकर पाठक, विक्रम, बिनय सिंह, शालिनी, पम्मी, सुरेंद्र सिन्हा, मास्टर शिवांश साहू और प्रिंस आदि हैं। प्रशांत गैलवर के निर्देशन में बनी फिल्म 'वांछा' आधुनिक संदर्भ में सामाजिक समस्याओं पर जन-जागृति पैदा करते हुए अंधविश्वास और कुरीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद करती है।

प्रस्तुति-काली दास पाण्डेय

कफ सिरप मामले में तीन गिरफ्तार, कंपनी का मालिक फरार, दवा को बताया गया था 18 बच्चों की मौत का जिम्मेदार!

भारत में निर्मित कफ सिरप पीने से उज्बेकिस्तान में कथित रूप से 18 बच्चों की मौत के मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है. दरअसल लिए गए दवा के नमूनों के मानकों पर खरा नहीं पाए जाने के बाद गाजियाबाद के ड्रग इंस्पेक्टर की शिकायत पर थाना फेस-3 में बीती रात एक मुकदमा दर्ज जिसके बाद पुलिस ने यह एक्शन लिया.पुलिस ने इस मामले में ऑपरेशन हेड सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है जबकि कंपनी के मालिक फरार हैं और उनकी तलाश की जा रही है.

कफ सिरप मानकों के ऊपर खरा नहीं उतरा

पुलिस आयुक्त कार्यालय ने बताया कि गाजियाबाद के ड्रग इंस्पेक्टर आशीष ने थाना फेस -3 में बीती रात को रिपोर्ट दर्ज कराई है. उन्होंने आरोप लगाया है कि सेक्टर 67 स्थित एक दवा बनाने की कंपनी में निर्मित कफ सिरप मानकों के ऊपर खरा नहीं उतरा.

इन धाराओं के तहत दर्ज हुआ मामला?

कार्यालय ने बताया कि इस मामले में कंपनी की डायरेक्टर जया जैन, सचिन जैन, ऑपरेशन हेड तुहीन भट्टाचार्य, मैन्युफैक्चरिंग केमिस्ट अतुल रावल तथा मूल सिंह आदि के खिलाफ धारा 274, 275, 276 ,औषधि प्रसाधन सामग्री अधिनियम 17,17ए,17 -बी के तहत मुकदमा दर्ज हुआ है.

कार्यालय से जुड़े एक अधिकारी के अनुसार, पुलिस ने तुहीन भट्टाचार्य, अतुल रावत तथा मूल सिंह को गिरफ्तार कर लिया है. उन्होंने बताया कि कंपनी के मालिक मालकिन फरार हैं जिनकी तलाश की जा रही है. उन्होंने दावा किया कि जल्द ही उनकी गिरफ्तारी कर ली जाएगी.

दिसंबर 2022 में हुई 18 बच्चों की संदिग्ध मौत

2022 के दिसंबर महीने में उक्त कंपनी द्वारा बनाई गई सिरप पीने से उज्बेकिस्तान में 18 बच्चों की संदिग्ध मौत हो गई थी. उज्बेकिस्तान सरकार की सूचना के आधार पर भारत सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लिया तथा कंपनी पर छापेमारी की गई.

कंपनी का दवा लाइसेंस हो चुका है निलंबित

उज्बेकिस्तान में कथित तौर पर 19 बच्चों की मौत के बाद उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग ने सेक्टर-67 स्थित दवा फर्म मैरियन बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड का दवा उत्पादन लाइसेंस निलंबित कर दिया था. दवा रिकार्ड मेंटनेंस के अलावा रॉ मैटेरियल खरीद की जानकारी समय से नहीं उपलब्ध कराने पर कंपनी का दवा उत्पादन लाइसेंस निलंबित किया जा चुका है.केंद्रीय एजेंसियों और उत्तर प्रदेश औषधि विभाग के एक दल ने पिछले साल 29 दिसंबर को यहां कंपनी के कार्यालय का निरीक्षण किया था और जांच के लिए छह और नमूने लिए थे. गौतमबुद्ध नगर के औषधि निरीक्षक वैभव बब्बर ने बताया था कि निरीक्षण के दौरान कंपनी के प्रतिनिधि 'डॉक-1 मैक्स' के उत्पादन से जुड़े दस्तावेज पेश नहीं कर सके, जिसके बाद सरकार ने इसके उत्पादन पर तत्काल रोक लगा दी थी.

होली के कारण प्रमुख चौराहो व रास्तों में भीषण जाम, कहीं भी खड़ा करो, पुलिस लेती है पैसा

घण्टाघर व टाटमील चौराहे पर बना रहता है जाम, मार्ग व्यवस्था के लिए काल बने शहर में दौड रहे ई-रिक्शा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर की वर्तमान में सबसे बडी समस्या जाम की है। यहां मार्ग व्यवस्था में ई-रिक्शा जहां काल साबित होते जा रहे है तो वहीं टैक्सी, ऑटों वाले भी बेतरतीब अपने वाहन खडे करके सवारियां भरते है। हर मुख्य चौराहो पर ईरिक्शा की धमाचौकडी सबके सामने है ।ऐसा नही इनपर लगाम नही लगाया जा सकता लेकिन पुलिस इन सवारी वाहनों से वसूली करती है। आलम यह है कि आज कानपुर की मुख्य सडके और चौराहो पर लगातार जाम की स्थिति

बनी रहती है। घंटाघर, टाटमील, जरीब चौकी, जीटी रोड, मूलगंज चौराहा पर लगातार जाम लगा रहता है ।शहर की यातायात व्यवस्था लगातार चरमराती जा रही है। रोजाना शहर की मुख्य सडको व चौराहो पर जाम लगता है। जहां ईरिक्शा बेखौफ होकर कहीं भी अपने वाहन खडे करते है, सवारियां भरते है तो इसी प्रकार ऑटो- टैंपो तथा रोडवेज बसों की भी जमकर अराजकता आम लोगों को भुगतनी पडती है। शहर के घंटाघर तथा टाटमील पर सारादिन जाम की स्थिति बनी रहती है। सुबह और शाम को टाटमील चौराहा पार करना मील का पत्थर ही साबित होता है। किदवई नगर, झकरकटी बंस स्टेड, नौबस्ता, रामादेवी जाने वाले लोगों को इन चौराहो को पार करने में काफी मशक्कत करनी पडती हैं। यातायात व्यवस्था के लिए नयेपुल के साथ ही सामानान्त पुल भी बनाया गया लेकिन व्यवस्था मे कोई सुधार नही हुआ। पूर्व में यातायात व्यवस्था ठीक करने के लिए स्टेयरिंग कमेटी की बैठक में कुछ चौराहो को चिन्हित किया गया था, लेकिन अभी तक कोई नतीजा सामने नही आया है। यहीं स्थिति रामादेवी चौराहे की है जहां ऑटो टैम्पो और ईरिक्शा वालो की अराजकता सडक पर दिखाई देती है। पुलिस की वसूली के कारण यह पूरा चौराहा घेरकर खडे रहते है और पुलिसकर्मी मूक बने खडे रहते है। इतना ही नही बाइपास रोड पर रामदेवी से गोविन्दनगर बाईपास तक उल्टी दिशा में ईरिक्शा को चलते देखा जा सकता है लेकिन शहर की पुलिस को यह नही दिखाई देता। हर बार बाते तो बडी-बडी की जाती है लेकिन कार्यवाही के नाम पर कुछ नही होता है।

सवारी वाहन ही नही अतिक्रमण भी है जाम का बडा कारण घंटाघर चौराहा शहर के सबसे व्यस्त चौराहो में एक है। यहां 8 रोड आकर मिलती है, जिसमें मूलगंज से, नयागंज से, एक्सप्रेस रोड, केनाल रोड, मोती मोहाल रोड, स्टेशनरोड, टाटमील रोड, नेहरू अस्पताल रोड है। यह पूरो क्षेत्र व्यवसायिक होने कारण यहां चारो तरफ का व्यापारी भी आता है और सडक पर हर प्रकार के वाहन चलते है जिसमें एक साइकिल से ठेलागाडी, लोडर आदि बडी गाडिया है। घंटाघर चौराहे के चारों तरफ भीषण अतिक्रमण है जहां छोटे छोटे होलट बने है तो वहीं भोजनालय के कारण सडकों पर वाहन खडे रहे है इसके साथ ही चौराहे की सभी सडकों पर लगी दुकानो के कारण संडक संकुचित हो रही है। टाटमिल जाने वाली सडक सकरी है लेकिन उसके रेलवे गोदाम वाली तरफ भी अतिक्रमण हो चुका है। मुख्य कारण यह है कि शहर में चौराहा कोई भी हो, अधिकारी चाहे जितनी योजना बना ले लेकिन हकीकत यही है कि उनके ही महकमें के पुलिसकर्मी चौराहो पर वूसली करते है और ईरिक्शा, टैम्पो, ऑटो तथा अतिक्रमण कारियों से दैनिक, साप्ताहिक, और माहवारी के रूप में खासा पैसा लेते है।

राशन वितरण 5 मार्च से 20 मार्च तक किया जाए: जिला पूर्ति अधिकारी राकेश कुमार

बीपीएस न्यूज

कानपुर।।जिला पूर्ति अधिकारी श्री राकेश कुमार ने बताया कि आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उ0प्र0 जवाहर भवन, लखनऊ के निर्देश के क्रम में माह मार्च, 2023 के सापेक्ष आवंटित आवश्यक वस्तुओं का वितरण दिनांक 05 मार्च से 20 मार्च, 2023 के मध्य कराया जाना है। जनपद कानपुर के चयनित विकास खण्डों यथा घाटमपुर, भीतरगावं, पतारा, कल्याणपुर व विधनू, नगर पालिका घाटमपुर, नगर पंचायत बिठूर के समस्त उचित दर दुकानों तथा खाद्य क्षेत्र पनकी की 10 उचित दर दुकानों जिसके विक्रेता मो0 साबिर, के0के0 कालिया, देव कुमार शुक्ला, कमलेश कुमार दिवेदी, सोनेलाल, धमेन्द्र सिंह, दिनेश कुमार, ज्ञानप्रकाश, रमाकान्त मिश्रा, वेद प्रकाश शुक्ला पर पात्र गृहस्थी राशन कार्डों से सम्बद्ध प्रत्येक यूनिट पर 02 किग्रा0 गेहूं 02 किग्रा0 चावल तथा 01 किग्रा0 बाजरा (कुल 05 किग्रा0) का नि:शुल्क वितरण किया जाएगा ।उन्होंने बताया कि समस्त अन्त्योदय कार्डधारकों को यथावत् 14 किग्रा0 गेहूं तथा 21 किग्रा 0चावल (36 किग्रा0 खाद्यान्न) का नि:शुल्क वितरण लाभार्थियों में सुनिश्चित कराया जायेगा, अन्त्योदय श्रेणी के लाभार्थियों हेतु त्रैमास जनवरी, 2023 से मार्च, 2023 तक 01 किग्रा0 आवंटित चीनी का प्रति कार्ड रु0 18/-प्रति किग्रा0 की दर से रु0 54/-में वितरण दिनांक 05 मार्च से 20 मार्च, 2023 के मध्य कराया जायेगा, बाजरा वितरण हेतु चयनित उचित दर दुकानों को छोड़ कर अन्य समस्त उचित दर दुकानों पर पात्र गृहस्थी राशन कार्डों से सम्बद्ध यूनिटों पर 02 किग्रा0 गेहूं व 03 किग्रा0 चावल (05 किग्रा0 खाद्यान्न) प्रति यूनिट का नि:शुल्क वितरण लाभार्थियों में सुनिश्चित कराया जायेगा।

उन्होंने बताया कि खाद्यान्न के नि:शुल्क वितरण में पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन की सुविधा उपलबध रहेगी। विक्रेता अपने उपलब्ध स्टॉक की सीमा तक पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन कर सकेंगे, अन्त्योदय कार्डधारकों को चीनी के सम्बन्ध में पोर्टेबिलिटी की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, लाभार्थी अपनी मूल दुकान से ही चीनी प्राप्त कर सकेंगे, चयनित उचित दर दुकानों में पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को बाजरा की पोर्टेबिलिटी उन्हीं दुकानों से अनुमन्य होगी, जहां विक्रेता के पास वितरण हेतु बाजरा उपलब्ध है, गेहूं, चावल तथा बाजरा का ई-पॉस के माध्यम से निर्बाध नि:शुल्क वितरण सुनिश्चित कराया जायेगा।उक्त योजनान्तर्गत गेहूं, चावल तथा बाजरा के नि:शुल्क वितरण तथा अन्त्योदय कार्डधारकों में चीनी वितरण की अन्तिम तिथि दिनांक 20 मार्च, 2023 होगी, जिस दिन आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं को प्राप्त न कर सकने वाले उपभोक्ताओं हेतु मोबाइल ओ0टी0पी0 वेरीफिकेशन के माध्यम से नि:शुल्क वितरण सम्पन्न किया जा सकेगा। उपरोक्तानुसार मोबाइल ओ0टी0पी0 वेरीफिकेशन के माध्यम से सम्पन्न होने वाले वितरण के समय कार्डधारक से आधार प्रमाणीकरण न होने का कारण तथा उसका/परिवार के किसी अन्य सदस्य का मोबाइल नम्बर संरक्षित किया जाएगा तथा पूर्ति निरीक्षक द्वारा उक्त मोबाइल नम्बर की पुष्टि सुनिश्चित करते हुए कार्डधारक के उक्त मोबाइल नम्बर को राशनकार्ड मैनेजमेंट सिस्टम में लाभार्थी के डाटाबेस में फीड कराया जाना सुनिश्चित किया जाएगा। उक्त मोबाइल नम्बर का प्रयोग मोबाइल ओ0टी0पी0 वेरीफिकेशन हेतु किया जाएगा। आवश्यक वस्तुओं का निर्बाध रूप से नि:शुल्क वितरण सुनिश्चित कराने हेतु उचित दर विक्रेताओं द्वारा वितरण के दौरान आवश्यक वस्तुओं के वितरण का कार्य प्रात: काल 06:00 बजे से रात्रि 09:00 बजे तक सुनिश्चित किया जायेगा ।उन्होंने बताया कि अन्त्योदय तथा पात्र गृहस्थी लाभार्थियों को दिनांक 01 जनवरी, 2023 से आगामी एक वर्ष तक नि:शुल्क खाद्यान्न वितरित कराए जाने में आने वाले सम्पूर्ण व्ययभार का वहन भारत सरकार द्वारा किया जाएगा।

जनता को दिलाया सुरक्षा का भरोसा

कानपुर। एसीपी निशांक शर्मा ने पनकी इंस्पेक्टर विक्रम सिंह समेत फोर्स के साथ किया पैदल गस्त,होली त्योहार और शब ए बरात को लेकर किया पैदल गस्त। पैदल गस्त के दौरान एसीपी निशांक शर्मा ने क्षेत्रीय लोगों से की बातचीत,एसीपी ने पैदल गस्त कर जनता को दिलाया सुरक्षा व्यवस्था का भरोसा होली त्योहार पर शराब पीकर हुड़दंग करने वालों पर होगी सख्त कार्यवाही-एसीपी निशांक शर्मा एसीपी ने क्षेत्रीय जनता से शांति पूर्वक त्योहार मनाने की अपील।

बोट क्लब मे, अब और अधिक बोट के साथ रोमांचक होगी बोट राइड

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण के वित्त पोषण से विकसित, कानपुर बोट क्लब मे पर्यटकों को और अधिक रोमांच मिलेगा, आयुक्त कानपुर मंडल डाक्टर राजशेखर की नियमित प्रगति समीक्षा किए जाने से, कानपुर बोट क्लब की निरंतर प्रगति हो रही है ।बोट क्लब मे और अधिक रोमांचक गतिविधि बढ़ाए जाने तथा अन्य सुविधाओं को सुचारू करने तथा सुरक्षा के साथ संचालन हेतु नए संचालकों ने आज शनिवार से और अधिक बोट के साथ संचालन आरंभ किया।संचालन से पूर्व पारंपरिक तौर पर, अपर जिला मजिस्ट्रेट तथा बोट क्लब के प्रशासनिक सचिव ने, अतुल कुमार ने, सचिव जल क्रीड़ा नीरज श्रीवास्तव तथा उत्साही जन समुदाय की उपस्थित मे फीता काटकर नई रोमांचक बोट को रवाना किया ।संचालक संस्था उत्तराखण्ड के टिहरी जनपद से है, जो जल क्रीड़ा क्षेत्र की बड़ा अनुभव प्राप्त है।संचालक संस्था के निदेशक ललित कुमार ने बताया कि अभी तीन स्पीड बोट और एक जेट स्की बोट से संचालन आरंभ किया है ।25 तारीख तक एक बनाना बोट तथा एक मोटर बोट और आ जाएगी इस प्रकार बोट क्लब के बोट के बेड़े मे 8 रोमांचक बोट हो जाएगी, जिससे रोमांचक शौकीनों को इंतजार नहीं करना होगा।संचालक ने बताया कि गर्मी के दिनों मे सुबह के सूर्योदय काल तथा शाम के सूर्यास्त काल. मे बोट राइड रोमांच के साथ रमणीय भी होगी।

5 मार्च को आयोजित द्वतीय भजन संध्या के संबंध मे एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया

बीपीएस न्यूज

कानपुर।गौड़ ब्राह्मण युवा मण्डल द्वारा 5 मार्च 2020, दिन रविवार को आयोजित द्वतीय भजन संध्या के संबंध मे एक प्रेस वार्ता का आयोजन चावल मण्डी, चौक स्थित संस्था के प्रधान कार्यालय मे किया गया ।

प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए संस्था के संरक्षक तथा वरिष्ठ सदस्य श्री आनन्द गौड़ ने बताया कि इस भजन संध्या मे विशाल कौशिक, काजल अवस्थी तथा अभय सैनी जैसे लोकप्रिय भजन गायकों के भजनों का आनन्द श्याम प्रेमी उठाएंगे वहीं सोनू तथा शिवांगी की मनमोहक अद्भुत झांकी भी श्याम प्रेमियों के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी । वहीं अध्यक्ष श्रीष गौड़ ने बताया कि इस द्वितीय भजन संध्या के कार्यक्रम को रोचक बनाने के लिये फूलों की होली तथा छप्पन भोग का भी आयोजन किया जाएगा । वार्ता में पं. संस्था के संरक्षक आनन्द गौड़, अध्यक्ष श्रीष गौड़, महामंत्री पवन गौड़, मंत्री आशीष गौड़ अनिल शर्मा के अलावा अखण्ड ब्राह्मण मंच के संस्थापक तथा अध्यक्ष विनय अवस्थी भी शामिल रहे ।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2021-2023, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू व्हाट्सअप 9335908846 मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।